२०१६
२०१७

वार्षिक प्रतिवेदन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

अनुक्रम

१.	विजन	२
२.	ध्येय	२
३.	ध्येय	३
४.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	३
५.	अवस्थिति	३
६.	परिसर	३
७.	परिसर के स्थायी भूमि की स्थिति	४
८.	बुनियादी ढाँचे का विकास	४
९.	अकादमिक तथ्य एवं आंकड़े	६
१०.	चिकित्सा सुविधाएं	७
११.	छात्रावास और छात्रों का आवास	८
१२.	केन्द्रीय पुस्तकालय (ज्ञान और सूचना केंद्र)	१०
१३.	दीक्षांत समारोह	१२
१४.	शैक्षणिक समितियाँ एवं शासकीय परिषद	१४
१५.	शिक्षेतर कर्मचारी सूची	२३
१६.	लोगो अंगीकरण	२५
१७.	वेबसाइट का शुभारंभ	२६
१८.	नवाचार प्रकोष्ठ	२७
१९.	सूचना संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना (आईसीटीआई)	२७
२०.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	२७
२१.	महिला शिकायत प्रकोष्ठ	२८
२२.	परिवहन सुविधाएँ	२८
२३.	शैक्षणिक विभाग	२८
२४.	विविध कार्यक्रम तथा समारोह	३८
२५.	प्रशिक्षण और नियुक्तियाँ	४२
२६.	पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट	४५
२७.	वार्षिक लेखा वितीय वर्ष २०१६-१७	५१

विजन

वस्तुतः भारत में दर्शन, विवेक और मूल्य प्रणाली के माध्यम से विश्व को संधारणीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदान करने की क्षमता और जिम्मेदारी है। एनआईटी सिक्किम इस भूमिका का निर्वाह करेगा।

ध्येय

छात्रों को तकनीकी और वैज्ञानिक उत्कृष्टता प्राप्त करने और उसका आनंद लेने के साथ-साथ वैश्विक पहुँच प्रदान करना एवं भारत व विश्व के दर्शन और मूल्यों का दृष्टिबोध कराते हुए उन्हें पोषित करना और 'थिंकिंग इंजीनियर्स' के रूप में विकसित करना।

ध्येय

- अभियांत्रिकी पेशेवरों के लिए अपने शिक्षण, अनुसंधान, छात्रवृत्ति, सेवा, पहुँच और नेतृत्व की गुणवत्ता और महत्व पहचानने में सहायता करना।
- विविधता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक नागरिकता की केंद्रीयता के प्रति संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की प्रतिबद्धता बढ़ाना।
- स्कूलों, संगठनों और अन्य संस्थानों के साथ स्कूलों में शिक्षा के सुधार पर केंद्रित सहयोगी, व्यावसायिक संबंधों में नेतृत्व प्रदान करना।
- संस्थान का प्रभावी और कुशल प्रबंधन बढ़ाना।
- संपूर्ण संस्थान में ध्यानन रखने वाला, सहायक वातावरण बनाए रखना।
- ऐसी व्यवस्था विकसित करना और ऐसा वातावरण बनाना जिसमें छात्र-छात्राएं प्राकृतिक और सामाजिक संधारणीयता के साथ मानव जीवन में सुधार के लिए ज्ञान अर्जित, सृजित, कार्यान्वित और प्रसारित करने के लिए अपनी संभावना साकार कर सकें और अपनी जिम्मेदारियां समझ सकें।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम (एनआईटीएसकेएम) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत वर्ष २००६ में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किये गए दस नए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में से एक है। यह दक्षिण सिक्किम के बरफंग ब्लॉक के रावंगला सब-डिवीजन में एक अस्थायी परिसर में स्थापित है।

अवस्थिति

वर्तमान में यह संस्थान दक्षिण सिक्किम में बरफंग ब्लॉक के रावंगला में एक अस्थायी परिसर में स्थित है और लगभग तेरह एकड़ क्षेत्र में फैला है। न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन और बागडोगरा हवाई अड्डा परिसर से क्रमशः ११८ और १२२ किमी. दूर हैं।

परिसर

अस्थायी परिसर में निम्नलिखित सुविधाएँ सम्मलित हैं :

- सिक्किम के रावंगला में स्थित एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगीकी संस्थान) का वर्तमान परिसर, अस्थायी होने पर भी प्रचुर सुविधाओं और प्राकृतिक सुख के बाहुल्य से संपन्न है। यह जवाहर नवोदय विद्यालय, रावंगला परिसर के निकट स्थित है। भारतीय स्टेट बैंक की रावंगला शाखा, स्पीड पोस्ट सुविधा सहित डाकघर और एक सैन्य अस्पताल संस्थान के परिसर की २.५ किमी की परिधि में स्थित हैं।
- परिसर में सोलह तीन मंजिले ब्लॉक हैं और प्रत्येक में छह, दो शयनकक्ष के अपार्टमेंट हैं जिनकी कुल संख्या ९६ है। इनका उपयोग लड़कों के छात्रावास, लड़कियों के छात्रावास, संकाय अपार्टमेंट और कर्मचारी अपार्टमेंट के रूप में किया जाता है। प्रत्येक अपार्टमेंट को चारपाइयों, मेजों और कुर्सियों से सुसज्जित किया गया है।
- एक अकादमिक भवन है जिसके तीन कमरों को कक्षा, दो कमरों को संगणक कक्ष, चार को संकाय कक्ष, और एक को अभ्यांतरिक बैडमिंटन कोर्ट के रूप में उपयोग किया जाता है। बेंच, कुर्सियां और अलमारियों को आवश्यकतानुसार खरीदा जाता है।
- ७ कमरों का एक प्रस्तावित प्रशासनिक भवन का निर्माण पूरा हो गया है और वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है। जो तीन कमरे प्रशासनिक संचालन के लिए उपयोग किए जा रहे हैं, उसके अतिरिक्त, भवन में संकाय/प्रशासनिक/निदेशकों की बैठकों के लिए एक सुसज्जित बैठक कक्ष है, अकादमिक दस्तावेजों के लिए स्टोर, संस्थान के निदेशक के लिए कक्ष और यह आवश्यक स्वच्छता सुविधाओं से सुसज्जित है। सभी कमरे आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित हैं।
- प्री-फैब्रिकेटेड छात्रावास
- छात्रों के लिए एक सामूहिक खेल का मैदान भी उपलब्ध है, जिसका उपयोग छात्रों द्वारा बाह्य खेलों के लिए किया जाता है।
- एक और सामूहिक खेल का मैदान तैयार किया जा रहा है।
- अकादमिक भवन के प्रांगण के स्थान के उपयोग से एक अभ्यांतरिक खेल के मैदान का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में इस स्थान को संकाय और छात्रों, दोनों द्वारा बैडमिंटन खेलने के लिए किया जा रहा है।
- एक और मैदान, विशेष रूप से लड़कियों के लिए तैयार किया जा रहा है, जहाँ वे वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी आदि जैसे खेल सकती हैं। इस मैदान का उपयोग लड़के भी खेल गतिविधियों के लिए कर सकते हैं।
- परिसर के चारों ओर की लगभग ३ एकड़ भूमि पर बाड़ लगा दी गयी है। रावंगला शहर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर के बीच संपर्क बहुत अच्छा है। वर्तमान में दो वाहन आधिकारिक कार्य के लिए और एक मेडिकल आपातकाल के लिए समर्पित रोगी वाहन है, जो परिसर और निकटवर्ती अस्पतालों के बीच चलती हैं। छात्रों के परिवहन के लिए, दो बसें (एक किराये की) हैं जो लगातार चलती रहती हैं।

परिसर के स्थायी भूमि की स्थिति

संस्थान को कार्य करते हुए लगभग सात वर्ष हो चुके हैं, फिर भी एक स्थायी परिसर के लिए भूमि का अभी आवंटन किया जाना शेष है। प्रारम्भ में, २४ अगस्त २०११ को एक आधिकारिक निरिक्षण के पश्चात ख़ामडाँग में एक भूमि का आवंटन हुआ था, परन्तु इस भूमि को अब तक एनआईटी को स्थानांरित नहीं किया गया है। २०१५ में थेकाबोंग (पाकयोंग के निकट) एक अन्य स्थान प्रस्तावित किया गया था, परन्तु मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गठित स्थान चयन समिति को यह उपयुक्त नहीं लगा और बाद में इसे निरस्त कर दिया गया।

हाल ही में, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने रावंगला के निकट १११ एकड़ भूमि के नए स्थान का दौरा करने के लिए एक स्थान चयन समिति का गठन किया (एफ संख्याF२१-६/२०१०, टीएस-३ दिनांक ०७-११-२०१६)। इस नए स्थान की पहचान सिक्किम सरकार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान सिक्किम की स्थापना के लिए की थी।

बुनियादी ढांचे का विकास

बुनियादी ढांचे से सम्बन्धित सभी गतिविधियों का प्रबन्धन राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान सिक्किम की भवन और कार्य समिति द्वारा किया जा रहा है। वर्ष २०१६-१७ में, संस्थान ने निम्नलिखित परियोजनाओं को हाथ में लिया है, जो या तो निर्माणाधीन हैं या निर्माण पूरे हो गए हैं।

- प्री-फैब्रिकेटेड छात्रावास के दूसरे चरण का निर्माण :

  प्री-फैब्रिकेटेड छात्रावास के दूसरे चरण के निर्माण का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया था। यह कार्य पूरा हो गया है और वर्तमान में छात्र (लड़के) इस छात्रावास में रह रहे हैं।

- सम्पर्क सड़क का निर्माण, प्री-फैब्रिकेटेड छात्रावास के दूसरे चरण की जल-निकासी का निर्माण : यह कार्य भी केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है और अधिकांश कार्य पूरा हो गया है।

- रसोई, भोजन कक्ष और लड़कों के भोजनालय के प्रसाधन की मरम्मत और नवीनीकरण, जिसे अब यांत्रिकी प्रयोगशाला के रूप में उपयोग किया जाएगा :

  इस कार्य को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है और कार्य प्रगति पर है।

- प्री-फैब्रिकेटेड सरंचना में रसोई-सहित-भोजनालय का निर्माण :

  प्री-फैब्रिकेटेड सरंचना में रसोई-सहित-भोजनालय के निर्माण का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया था और यह अब पूरा हो गया है। अब भोजनालय में सौ छात्रों को समायोजित करने की क्षमता है।

- कार्यशाला के शेड-१ का निर्माण, फ्लूइड यांत्रिकी प्रयोगशाला (शेड-२) एवं संरचनात्मक व सिविल प्रयोगशाला (शेड-३) :

  शेड-१, शेड-२ और शेड-३ का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। इन शेडों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को विद्युत् आपूर्ति के लिए ११ केवी की एक समर्पित लाइन :

  रावंगला क्षेत्र में विद्युत् आपूर्ति में निरंतर विफलता और नियमित उतार-चढ़ाव (फ्लकचुएशन) को दखते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को विद्युत् आपूर्ति के

प्री-फैब्रिकेटेड छात्रावास चरण-२ एचपीसी डाटा सेंटर के लिए ३-फेस वाल ४० केवीए का यूपीएस रसोई और भोजनालय ब्लॉक का निर्माण

लिए ११ केवी की एक समर्पित लाइन को परिसर में सफलता पूर्वक स्थापित किया गया है।

- एक २०० केवीए के जनरेटर सेट की स्थापना :

  रावंगला परिसर में एएमएफ़ नियन्त्रण वाले एक २०० केवीए जनरेटर सेट की पहले ही स्थापना की जा चुकी है। हालाँकि, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (विद्युत) द्वारा इसकी परीक्षण और चालू होना अभी शेष है। २०० केवीए का यह जेनसेट संस्थान के भीतरी परिसरों में विद्युत सहायता प्रदान करेगा।

- एचपीसी आंकड़ा केन्द्र के लिए ३-फेज का ४० केवीए यूपीएस की स्थापना :

  एचपीएस आंकड़ा केन्द्र को नियमित विद्युत् आपूर्ति के लिए एक ४० केवीए के यूपीएस की स्थापना कर इसे चालू कर दिया गया है।

कार्याशालय शेड-१, फ्लूइड मैकेनिक्स प्रयोगशालाएं (शेड-२) एवं स्ट्रक्चरल व सिविल प्रयोगशालाएं (शेड-३)

२०० केवीए जनरेटर

एक ११ केवी की समर्पित विद्युत लाइन

अकादमिक तथ्य एवं आंकड़े

उपलब्ध पाठ्यक्रम

वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रम

- प्रौद्योगिकी स्नातक, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी स्नातक, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी स्नातक, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी स्नातक, सिविल अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी स्नातक, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी स्नातक, जैव प्रौद्योगिकी

परास्नातक के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम

- प्रौद्योगिकी परास्नातक, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी परास्नातक, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी

पीएचडी के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- भौतिक विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- गणित
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
- अंतर्विषयक क्षेत्र

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में छात्र स्थिति का ब्यौरा

छात्र सांख्यिकी २०१६-१७

१. स्नातक डिग्री : प्रौद्योगिकी स्नातक के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम एवं छात्र संख्या

शाखा	स्वीकृत प्रवेश २०१६	वर्ष अनुसार छात्र संख्या				वर्तमान छात्र संख्या (सभी वर्ष)
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	
संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	४५	४०	२८	२२	१६	१०६
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	४०	२६	२०	१३	१३	७५
विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	४०	२५	१६	१६	१४	७४
सिविल अभियांत्रिकी	३०	१६	२१	१४	१८	७२
यांत्रिक अभियांत्रिकी	३०	२०	२०	२०	००	६०
जैव प्रौद्योगिकी	३०	०४	०७	NS	NS	११
कुल	२१५	१३७	११२	८८	६४	४०१

एन एस : ब्रांच शुरु नहीं हुई

नोट : ४०१ छात्रों में से ३४१ लड़के और ६० लड़कियाँ, वर्गानुसार : ५७ एससी, ४० एसटी, १३२ ओबीसी और १७२ अन्य (३पीडबल्यूडी), कोटा अनुसार: बाहरी: २५६ और गृह राज्य : १४५

2. परास्नातक डिग्री : एम.टेक के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम एवं छात्र संख्या

शाखा	स्वीकृत प्रवेश २०१६	वर्ष अनुसार छात्र संख्या		वर्तमान छात्र संख्या
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	१५	०८	०६	१४
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	१५	११	एनएस	११
कुल	३०	१६	०६	२५

छः ब्रांच शुरु नहीं हुई, २५ छात्रों में से १६ लड़के और ६ लड़कियाँ, वर्गानुसार : ४ एससी, २ एसटी, ५ ओबीसी और ५ अन्य।
नोट : सीएसई में एम.टेक. २०१५ बैच से और ईसीई में २०१६ बैच से आरंभ हुआ। सीनेट ने सत्र २०१७ से ईईई में एम.टेक. और रसायन विज्ञान में एम. एससी. आरंभ करने की अनुमति प्रदान की है। इनटेक क्षमता प्रत्येक के लिए १५ छात्रों की होगी।

3. पीएचडी डिग्री : निम्नलिखित विभागों में पीएचडी के लिए नामांकित छात्रों की संख्या

विभाग	सीएसई	ईसीई	ईईई	एमई	भौतिकी	रसायन	गणित	एचएसएस	आईडी	कुल
छात्र संख्या	२१	०६	११	०५	०२	०१	०२	०४	०२	५७

नोट : 21 पूर्णकालिक (विश्वेश्वरैया परियोजना से 4 समेत) और 36 अंशकालिक, 50 लड़के और 7 लड़कियाँ)

चिकित्सा सुविधाएं

परिसर में चिकित्सा इकाई : सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के लिए परिसर में २४/७ मुफ्त चिकित्सा इकाई की सुविधा है। अस्पताल की चिकित्सीय इकाई में सभी आवश्यक सुविधाएं तथा सर्व सुविधा से सुसज्जित एम्बुलेंस (रोगी वाहन) की भी सुविधा है।
चिकित्सक का दौरा : डॉ. देवकोटा, (ओर्थोपेडिक) डॉ. संजय राय, (सामान्य फिजिशियन); डॉ. एडन भूटिया, (सामान्य फिजिशियन); और डॉ. ऊना प्रधान, एक दंत चिकित्सक निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार अपनी मूल्यवान सेवाएं देने के लिए चिकित्सा इकाई का दौरा करती हैं।

	डॉ. देवको	डॉ. संजय राय	डॉ. ऊना प्रधान	डॉ. एडन भूटिया
दिन	रविवार	मंगलवार और शुक्रवार	शनिवार	गुरुवार
समय	12 बजे से 2 बजे तक	दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक	दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक	दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक

चिकित्सा दल : परिसर में एक समर्पित पूर्णकालिक नर्सिंग सहायक-श्रीमति हिमावती हैं। वह चिकित्सा इकाई के संकाय प्रभारी डॉ. रवि श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्य करती हैं। किसी भी आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थी सीधे डॉ. रवि श्रीवास्तव से ०६६४७७५५४६० पर तथा डॉ. सुमित साहा, अधिष्ठाता प्रभारी (स्टूडेंट अफेयर्स) से संपर्क कर सकते हैं।

वाहन : संस्था में २४/७ चिकित्सीय आपात स्थिति हेतु सर्वसुविधा युक्त रोगी वाहन है। विद्यार्थियों को (निःशुल्क) आवश्यकतानुसार पीएचसी, रावंगला या नामची ले जाया जाता है। सामान्यतः, चिकित्सीय इकाई की टीम बीमार छात्रों के साथ होती है।

दवाई दुकान : रावंगला के बाजार में दो-एक मेडिकल शॉप हैं जहा सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध हैं।

नैदानिक केंद्रः जिला मुख्यालय नामची (रावंगला से २६ किमी. दूर) में कुछ दो-एक नैदानिक केंद्र हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी नामची के जिला अस्पताल में भी सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं।

बीमा : चिकित्सीय बीमा पॉलिसी का चयन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,सिक्किम के सभी मौजूदा छात्रों द्वारा भी किया जाता है।

सुदूर चिकित्सा कार्यक्रम : हमारे पास नियमित रूप से आयोजित होने वाला सुदूर चिकित्सा कार्यक्रम भी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को अत्यधिक सामान्य

सुदूर चिकित्सा कार्यक्रम

चिकित्सा प्रदान करना तथा आसपास के गांवों और स्कूलों में चिकित्सकीय परामर्श देना है।

छात्रावास और छात्रों का आवास

कुल ०८ छात्रावास हैं जिनमें से ०३ छात्रावास रावंगल शहर में हैं। इनमें से तीन इमारतों को प्रौद्योगिकी स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के निवास हेतु किराये पर दिया जाता है। छात्राओं के लिए ०४ छात्रावास हैं तथा ये सभी संस्था के परिसर में ही हैं। परिसर के मौजूद छात्रावास वाय-फाय सुविधा से युक्त हैं और रावंगला में किराये पर दिये जाने वाले छात्रावास में विद्यार्थियों को वाय-फाय की सुविधा मॉडेम सहभाजन के आधार पर दी जाती है ताकि उनके पास इंटरनेट की पहुँच हो। परिसर से बाहर रहने वाले विद्यार्थियों को उनकी सहूलियत हेतु बस की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

छात्रावास के नियम और विनियमन

- सप्ताहांत और अवकाश वाले दिन, कोई भी विद्यार्थी मुख्य संरक्षक या छात्र मामले की समिति (एसएसी) के सदस्यों की स्वीकृति लिए बिना परिसर के बाहर नहीं जाएगा।
- छात्रावास/परिसर के भीतर मदिरा, ड्रग और धूम्रपान का सेवन करना सख्ती से प्रतिबंधित है। किसी भी समय, संकाय छात्रावास के किसी भी कक्ष की जाँच कर सकते हैं। मदिरा सेवन या किसी भी प्रकार का नशा या संग्रहण या उनकी आपूर्ति पूर्णतः वर्जित है और यदि इसके लिए किसी को भी दोषी पाया जाता है, तो दोषी को अभियोजन समेत गंभीर दंड का समना करना पड़ेगा। किसी भी प्रकार का जुआ भी निषिद्ध है।
- छात्राओं को शीतकालीन सत्र में शाम ०६:०० बजे तक और मानसून सत्र में शाम ०६:३० बजे तक उनके छात्रावास कक्षों में वापस आना होगा।
- छात्रों को शीतकाल सत्र में ०६:३० बजे तक और मानसून सत्र में ०७:०० बजे तक उनके छात्रावास कक्षों तक वापस आना होगा। दिन के समय में उन्हें परिसर से बाहर जाने की अनुमति होगी।
- प्रत्येक विद्यार्थी को बिना चूके बाहर जाते समय और बाहर से अंदर आते समय सुरक्षा रजिस्टर में हस्ताक्षर करना चाहिए।
- विद्यार्थियों को रात्रि ०६:३० के बाद अपने कमरों से बाहर जाने की अनुमति नहीं है।
- दिन या रात में किसी भी समय छात्राओं को छात्रों के छात्रावास जाने और छात्रों को छात्राओं के छात्रावास जाने की अनुमति नहीं है।
- छात्रों के लिए छात्राओं के छात्रावास के नजदीक छात्राओं के लिए निर्दिष्ट सीमाओं/ परिसरों में प्रवेश करने/उसे पार करने की अनुमति नहीं है।
- छात्रों को भोजनालय कक्ष में छात्राओं और संकाय के लिए निर्दिष्ट मेज़ पर भोजन नहीं करना है। छात्राओं को भोजनालय कक्ष में छात्रों और संकाय के लिए निर्दिष्ट मेज़ पर भोजन नहीं करना है। किसी छात्र को दिन या रात किसी भी समय मेस में छात्राओं के लिए निर्दिष्ट मेजों पर बैठने और उनसे वार्तालाप करने की अनुमति नहीं है।
- मुख्य संरक्षक की स्वीकृति के बगैर छात्रावास में किसी भी अतिथि का सत्कार करने की अनुमति नहीं है।
- किसी भी प्रकार की उत्पात गंभीर रूप से दंडनीय है। विद्यार्थियों को संस्थान की उत्पात विरोधी नीतियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। यह ज्ञात हो कि विद्यार्थी इस बात से अवगत हों कि उत्पात क्या/कैसे होती है और उन्हें ऐसे किसी भी कृत्य में लिप्त होने से बचना है जिसे उत्पात का कोई भी रूप माना जा सकता है।
- विशेष परिस्थितियों में, सक्षम प्राधिकारी संस्थान से एक निश्चित दूरी में विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों/ माता-पिता के साथ रहने देने की स्वीकृति दे सकते हैं।

- एक विद्यार्थी को उसे आवंटित कक्ष में रहना होगा तथा वह मुख्य संरक्षक की अनुमति/ निर्देशों के अंतर्गत अन्य कक्ष में स्थानांतरित हो सकता है।
- विद्यार्थी उन्हें आवंटित कक्ष के फर्नीचर; विद्युत और अन्य साजो सामान की उचित देखरेख के प्रति जवाबदेह होंगे; तथा प्रायः छात्रावास में सभी विद्यार्थियों के उपयोग में आने वाली उपलब्ध वस्तुओं के उचित उपयोग, देखरेख और सुरक्षा की सुनिश्चितता में संरक्षक की सहायता करेंगे। यदि कोई भी वस्तु क्षत्रिग्रस्त हो जाती है, तो उस आवंटित कक्ष के विद्यार्थियों को इसका जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उन पर तद्नानुसार जुर्माना लगाया जाएगा।
- विद्यार्थियों को छात्रावास के रिक्त/अधिकृत कक्षों को तोड़कर खोलने अथवा इसका प्रयास नहीं करना चाहिए। छात्रावास की संपत्ति में हुए किसी भी नुकसान की भरपाई छात्रावास में रहने वाले समग्र निवासियों को करनी होगी।
- विद्यार्थी अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखने के प्रति स्वयं जिम्मेदार होंगे। चोरी, आग या किसी अन्य कारण से किसी विद्यार्थी की व्यक्तिगत संपत्ति को हुई क्षति की स्थिति में, संस्थान की कोई जवाबदेही नहीं होगी तथा इसके प्रति वह किसी भी क्षतिपूर्ति हेतु उत्तरदायी नहीं होगा।
- छात्रावास में किसी भी विद्यार्थी द्वारा विद्युत तापक, प्रशीतक आदि जैसे उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित है।
- छात्रावास में एक बार प्रवेश लेने के बाद विद्यार्थी एक वर्ष के लिए तब तक छात्रावास निवासी बने रहेंगे जब तक कि उन्हें अनुशासनात्मक आधार पर छात्रावास से वंचित न किया जाए। जब तक वे बकाया राशि का भुगतान नहीं करते हैं, तब तक उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, उन्हें छात्रावास और/या भोजनालय से निष्कासित किया जा सकता है।
- एक बार विद्यार्थी छात्रावास में प्रवेश ले लेता है, तो वह स्वतः ही भोजनालय का सदस्य बन जाएगा। सभी विद्यार्थियों को सत्र आरंभ होने की दिनांक से लेकर सत्र समाप्त होने की दिनांक तक भोजनालय के पूर्ण शुल्क का भुगतान करना होगा। विद्यार्थियों को सत्र ब्रेक के दौरान स्थापना व्यय का भुगतान करना भी आवश्यक है।
- छात्रावास के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक माह की निर्धारित दिनांक से पहले भोजनालय के बिल और अन्य शुल्कों का अग्रिम में भुगतान करना होगा, ऐसा न करने पर नियमों और विनियमों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा।
- किसी भी विद्यार्थी के माता-पिता/अभिभावक को छात्रावास में रुकने की अनुमति नहीं है।
- छात्रावास के संरक्षक/उसके मुख्य संरक्षक/छात्र मामलों की समिति के सदस्य की पूर्व अनुमति लिए बिना विद्यार्थी परिसर नहीं छोड़ेंगे। वे अग्रिम में परिसर छोड़ने का कारण बताते हुए तथा गंतव्य का पता देते हुए विद्यार्थी दरवाजा-प्रवेश प्रपत्र भरेंगे। छात्रावास के ऐसे विद्यार्थी जो विद्यार्थी दरवाजा-प्रवेश पत्र के बगैर तथा संबंधित प्राधिकरणों से पूर्व अनुमति लिए बिना छात्रावास छोड़ते हैं, तो उन्हें गुमशुदा माना जाएगा तथा इस स्थिति में उनके माता-पिता/अभिभावक अथवा यहाँ तक कि पुलिस अधिकारियों को भी सूचित किया जा सकता है।
- छात्रावास में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को शरण देने वाले विद्यार्थी को तत्काल छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाएगा। छात्रावास को कुकर्मियों को छिपाने का स्थल न माना जाए। पुलिस अधिकारियों को परिसर में प्रवेश लेने की अनुमति है तथा अपराध की गंभीरता के आधार पर वे किसी को भी हवालात में डाल सकते हैं।
- अवकाश के दिन कोई भी छात्रावास-वासी संरक्षक/मुख्य संरक्षक/छात्र मामलों की समिति के सदस्यों की पूर्व स्वीकृति के बिना भ्रमण या वनभोज के प्रयोजन से छात्रावास परिसर नहीं छोड़ेगा। वनभोज/भ्रमण के दौरान होने वाली किसी भी दुर्घटना या मृत्यु के लिए, छात्रावास के अधिकारी या संस्थान जिम्मेदार नहीं होगा।
- धर्म, जाति या संप्रादाय के आधार पर विद्यार्थियों का कोई संघ नहीं होगा।
- छात्रावास परिसर के भीतर कोई भी गुप्त बैठक या कार्य-कलाप की अनुमति नहीं है। छात्रावास के क्षेत्र में कहीं भी या छात्रावास कक्ष में किसी भी बैठक का आयोजन करने के लिए, मुख्य संरक्षक से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी।
- छात्रावासवासियों को ऐसे किसी भी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष कार्य से दूर रहना होगा, जिससे परिसर में और निवासियों के बीच शांति और सद्भाव नष्ट अथवा भंग हो सकता है। छात्रावास के स्थान को अधिकार का मामला नहीं माना जा सकता है। ऐसे विद्यार्थी जो परिसर में छात्रावास के नियमों का उल्लंघन करते हैं तथा उसकी शांति भंग करते हैं, तो उन्हें छात्रावास से निष्कासित किया जा सकता है।
- किसी भी विद्यार्थी को कानून अपने हाथ में नहीं लेना है। यदि किसी भी छात्रावासवासी को यह पता चलता है कि कोई अन्य छात्रावासवासी किसी अवांछनीय कार्यकलाप में संलिप्त है अथवा उसे या फिर अन्य किसी छात्रावासवासी को कष्ट पहुँचा रहा है अथवा कोई शारीरिक प्रताड़ना दे रहा है, तो उसे तत्काल संबंधित संरक्षक को लिखित में इसकी सूचना देनी चाहिए।
- छात्रावास कक्ष में प्राणघातक हथियार जैसे कि छड़ी, रॉड, चेन इत्यादि रखना सख्त मना है तथा ऐसा करने पर इसे दण्डनीय अपराध माना जाएगा।
- ऐसे विद्यार्थी जिन्होनें अपने अध्ययन के चार वर्ष पूर्ण तो कर लिए हैं लेकिन उनका परीक्षा में उत्तीर्ण होना अभी बाकी है, तो ऐसे विद्यार्थियों को मंद शिक्षाणार्थी कहा जाता है। अध्ययन की सामान्य चार वर्ष की अवधि समाप्त हो जाने के बाद संस्थान छात्रावास में उन्हें आवास सुविधा प्रदान करने के प्रति जवाबदेह नहीं होगा।
- यदि कोई छात्र बीमार हो जाता है, तो उसे तत्काल वार्डन/मुख्य वार्डन/एसएसी के सदस्यों से संपर्क करना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य समस्याओं के लिए संस्थान की औषधालय में चिकित्सीय सुविधायें प्रदान की जायेंगी। हालांकि, विशेषज्ञ/विशेष चिकित्सीय देखभाल और उपचार की आवश्यकता वाले किसी भी अन्य उपचार के

लिए, छात्रावास निवासी को उपचार हेतु स्वयं की व्यवस्था करनी होगी तथा चिकित्सीय व्यय स्वयं वहन करना होगा। संक्रमण/संक्रामक बीमारियों से ग्रस्त विद्यार्थी को छात्रावास में रुकने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

- निवासी किसी भी बहसबाजी में शामिल नहीं होंगे तथा न ही छात्रावास के कर्मचारियों के कर्तव्यों में हस्तक्षेप करेंगे। यदि कोई शिकायत या सुझाव है, तो उसे संबंधित वार्डन को सौंपा जाना चाहिए।
- कक्षों के भीतर ऊंचे स्वर का संगीत और वीडियो इत्यादि सख्ती से प्रतिबंधित है क्योंकि इससे निवासियों को खलल हो सकती है। निवासियों के विरुद्ध ऐसी किसी भी शिकायत को बेहद गंभीरता से देखा जाएगा और जुर्माना लगाने के साथ-साथ उनके यंत्र भी जब्त कर लिए जाएंगे।
- छात्रावास में समय-समय पर किसी भी विद्यार्थी के कक्ष का निरीक्षण संरक्षक/मुख्य संरक्षक या संस्थान के कर्मचारी के किसी भी अधिकृत सदस्य द्वारा अथवा जिला पुलिस के अधिकारियों द्वारा किया जा सकता है। निवासियों को उनका पहचान पत्र उनके साथ रखने तथा मांगे जाने पर उसे दिखाने का परामर्श दिया जाता है।
- छात्रावास के प्रतिनिधि/विद्यार्थी मेस प्रतिनिधियों को मुख्य वार्डन द्वारा प्रभावी अनुशासन में तथा छात्रावास खंड/भोजनालय की निगरानी में उनकी सहायता हेतु मेरिट के आधार पर चुना जाएगा। उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने के कार्य में प्रत्येक छात्रावास निवासी को उनके साथ समन्वयन करना होगा।
- छात्रावास-वासियों से अनुरोध है कि वे अपने आसपास का क्षेत्र साफ़ व स्वच्छ बनाए रखें।
- विद्यार्थियों को छात्रावास परिसर के भीतर या छात्रावास के भीतर किसी भी अवसर पर पटाखे आदि नहीं चलाना चाहिए।
- विद्यार्थियों द्वारा छात्रावास की दीवारों और कक्षों पर अश्लील चित्र बनाना या कोई नारा, या भित्तिचित्रण आदि प्रतिबंधित है। ऐसे लेखन में संलिप्त पाए जाने पर विद्यार्थियों/ विद्यार्थियों के समूह पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।
- विद्यार्थियों को छात्रावास के सामने अथवा छात्रावास के भीतर या सार्वजनिक कक्ष में क्रिकेट, फुटबॉल आदि नहीं खेलना चाहिए। इससे न केवल छात्रावास की संपत्ति को नुकसान पहुँच सकता है बल्कि आसपास की शांति भी भंग हो सकती है।ब्लॉक के सभी विद्यार्थियों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और उनसे एकत्र किया जाएगा।
- ऐसे विद्यार्थी जो दुर्व्यवहार के दोषी अथवा उपर्यक्त निर्धारित नियमों में से किसी का उल्लंघन करने के दोषी पाए जाते हैं तो वेदंड के पात्र होंगे, या उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा संस्थान से और/अथवा छात्रावास से अथवा दोनों से निष्कासन या बर्खास्तगी के प्रति उत्तरदायी होंगे।
- छात्रावास के नियमों और विनियमों के संबंध में उपर्युक्त निर्देशों के किसी भी उल्लंघन से गंभीरता से निपटा जायेगा। तथा, इस घटना को संस्थान द्वारा निर्मित समिति के अंतर्गत विद्यार्थी की संस्थागत संचिका में लगा दिया जाएगा।

छात्र भोजनालयः

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में कुल तीन छात्र भोजनालय हैं। लड़कों के लिए दो और लड़कियों के लिए एक भोजनालय है। भोजनालय को चलाने के लिए सभी बर्तन, कटलरी और बर्तन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम द्वारा प्रदान किए गए हैं। छात्रों को एक छमाही की आरंभ तिथि से लेकर उस छमाही के अंत तक भोजनालय के पूर्ण शुल्क का भुगतान करना होता है।

छात्रवृत्तिः

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के कारण, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के छात्रों को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा 'अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तरीय शिक्षा' के तहत प्रति वर्ष प्रति वर्ग एससी श्रेणी के लिए १२ छात्रवृत्तियां और सभी जनजातीय श्रेणी के छात्रों को जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 'जनजातीय छात्रों के लिए शीर्ष स्तरीय शिक्षा' के तहत प्रति वर्ष प्रति वर्ग छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से जुड़े कई छात्र संबंधित राज्यों से छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं। अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े छात्र अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय (एमओएमए) से छात्रवृत्तियां प्राप्त करते हैं। छात्रों को अन्य निधियन एजेंसियों से भी छात्रवृत्तियां प्राप्त होती हैं जैसे अकादमिक उत्कृष्टता और उपलब्धता संस्थान (एफएईए), स्वामी दयानंद धर्माथ शिक्षा संस्थान, एस.आर. जिंदल छात्रवृत्ति, सैमसंग स्टार छात्रवृत्ति आदि।

केन्द्रीय पुस्तकालय (ज्ञान और सूचना केंद्र)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के केंद्रीय पुस्तकालय को वर्ष २०१२ में स्थापित किया गया और इसे ज्ञान और सूचना केंद्र (केआईसी) के नाम से अलंकृत किया गया। केआईसी सभी विभागों और छात्रावासों के बीच में स्थित है और परिसर में प्रत्येक के लिए सुगम्य है। संस्थान के सभी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी सदस्य पुस्तकालय की सुविधाओं और सेवाओं का उपयोग करने का अधिकार रखते हैं। इसे एक पृथक भवन में बनाया गया है। केआईसी में पुस्तकों को जारी करने के लिए खुली पहुँच प्रणाली का अनुपालन किया जाता है।

केआईसी का उद्देश्य : इसका उद्देश्य अपनी उपयोगकर्ता-अनुकूल और अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से अपने पाठकों या उपयोगकर्ताओं की सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभावी सेवाएं प्रदान करना है। केआईसी, संस्थान के शिक्षण और शोध कार्यक्रमों का समर्थन करता है और उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतानुसार सामान्य पठन के लिए सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ सूचनाएं प्रसारित करता है।

केआईसी का संग्रह : केआईसी ने अपने अभिदाताओं के लिए छपाई के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिकी संसाधनों को भी संग्रह में रखा है।

- छपे हुए संग्रह : इसमें पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, ज्ञानकोष, शब्दकोष, पत्र-पत्रिकाएं, स्थानीय और राष्ट्रीय समाचार-पत्र सम्मिलित हैं।
- इलेक्टॉनिकी संग्रह : अभिदाताओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केआईसी के पास समृद्ध इलेक्ट्रॉनिकी संसाधन हैं जैसे आईईईई एक्सप्लोर, डिजिटल पुस्तकालय संग्रह, साइन्स डायरेक्ट, साइफ़ाइंडर, आईईएल, नेचर। केआईसी के पास बड़ी संख्या में पियरसन ई-किताबें, किंडल ई-बुक रीडर वीडियो, सीडी/डीवीडी हैं जो संस्थान परिसर में सभी के लिए सुलभ है।
- उपहार संग्रह : केआईसी को इसरो, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से समय-समय पर समाचार पत्र, सूचना विज्ञप्ति, वार्षिक प्रतिवेदन और पत्रिकाएँ प्राप्त होती रहती हैं।

सेवाएं :

- संचलन (सर्कुलेशन) : पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर लिबसिस ७ के साथ पूर्ण रूप से स्वचालित है। संचलन सेवाएं बारकोड प्रणाली के माध्यम से निष्पादित की जाती हैं।
- आवधिक सेवाएं : विभिन्न अभिदाता, अमेरिकी वैज्ञानिक, बीबीसी ज्ञान, डिजिट, एक्सप्रेस कंप्यूटर इत्यादि जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका से भरपूर लाभ उठाते हैं।
- इंटरनेट सेवाएं : अभिदाताओं के लिए लैन आधारित इंटरनेट और वाई-फाई इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- वेब २.० सेवाएं : अपने संरक्षखों को सचेत रखने के लिए केआईसी का फेसबुक पेज भी है। संरक्षक, केआईसी फेसबुक पेज के माध्यम से किताबों और अन्य प्रासंगिक जानकारी के नए आगमन के विषय में जान सकते हैं।
- विविध सेवाएं : संरक्षखों के लिए सुसज्जित फोटोकॉपी, छपाई और क्रमवीक्षण सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

दिन	सत्र 1	सत्र 2
सोमवार	०९०० बजे से १३०० बजे तक	१४०० बजे से १७३० बजे तक
मंगलवार	०९०० बजे से १३०० बजे तक	१४०० बजे से १७३० बजे तक
बुधवार	०९०० बजे से १३०० बजे तक	१४०० बजे से १७३० बजे तक
बृहस्पतिवार	०९०० बजे से १३०० बजे तक	१४०० बजे से १७३० बजे तक
शुक्रवार	०९०० बजे से १३०० बजे तक	१४०० बजे से १७३० बजे तक

- नई पहल : (नई सामग्री)
- केआईसी के अधिक प्रसार के लिए शीर्ष प्रबंधन से प्राप्त स्वीकृति।
- केआईसी के समर्पित सर्वर के लिए प्राप्त स्वीकृति।

संग्रह विवरण :

१.	कुल शीर्षक संख्या	१५१४
२.	हार्ड कॉपी किताबों की कुल संख्या	८५००
३.	ई-किताबें	२३३
४.	किंडल ई-किताबें	८८०
५.	हार्ड कॉपी पत्र-पत्रिकाएँ	३०
६.	किंडल ई-किताब रीडर/टैबलेट	४

- ऑनलाइन आंकड़ा आधार
- साइंस डाइरेक्ट
- आईईईई
- साइफाइंडर

- स्प्रिंगर
- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्र-७
- एपीएस (चयनित शीर्ष पत्रिकाएं)
- एनपीटेल वीडियो

दीक्षांत समारोह

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम का पहला दीक्षांत समारोह १८ मार्च, २०१७ को तथागत साल, रावंगला, दक्षिण सिक्किम में आयोजित किया गया था। सिक्किम सरकार के मानव संसाधन मंत्री माननीय श्री आर. बी. सुब्भा ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। दीक्षांत समारोह के दौरान प्रोफेसर अमिताभ घोष को डॉक्टर ऑफ साइंस (ऑनोरियस काजा) और श्री भाईचुंग भूटिया को डॉक्टर ऑफ लेटर्स (ऑनोरियस काजा) से सम्मानित किया गया। बीटेक छात्रों की निम्नलिखित संख्या को विभिन्न अभियांत्रिकी शिक्षण में स्नातक की उपाधि से सम्मानित किया गया।

क्रम. सं.	बैच	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
१.	२०१०-२०१४	६३
२.	२०११-२०१५	७१
३.	२०१२-२०१६	७४

निम्नलिखित छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ -

डायरेक्टर गोल्ड मेडल (संमग्र प्रदर्शन हेतु)				
क्रम. सं.	पाठ्यक्रम	विभाग	छात्र का नाम	अनुक्रमांक
१.	प्रौद्योगिकी स्नातक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	श्री. अजय कुमार	B10011CS
२.	प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	अतुल यादव	B110058EE
३.	प्रौद्योगिकी स्नातक	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	श्री रजत कुमार सिन्हा	B120070EC

इंस्टीट्यूट स्वर्ण पदक (बैच में सर्वाधिक अंक हेतु)				
क्रम. सं.	पाठ्यक्रम	विभाग	छात्र का नाम	अनुक्रमांक
१.	प्रौद्योगिकी स्नातक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	श्री अंकुर शर्मा	B10050CS
२.	प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	श्री अतुल यादव	B110058EE
३.	प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	सुश्री पूजा गुप्ता	B120027CS

स्वर्ण पदक (बैच में सर्वाधिक अंक हेतु)				
क्रम. सं.	बैच	विभाग	छात्र का नाम	अनुक्रमांक
१.	२०१०-२०१४	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	श्री अवलीन कुमार यादव	B10063EE
२.		इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	श्री विपिन कुमार सिंह	B10049EC
३.		संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	श्री अंकुर शर्मा	B10052CS
४.	२०११-२०१५	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	श्री अंशु अनुराग	B110051CS
५.		इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	सुश्री साजिदा तबस्सुम	B110005EC
६.		विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	श्री अतुल यादव	B110058EE
७.	२०१२-२०१६	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सुश्री प्रिंक्या कुमारी	B120056CS
८.		इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	श्री रजत कुमार सिन्हा	B120070EC
९.		विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	सुश्री पूजा गुप्ता	B120026EE

प्रो. अजय कुमार रे, निदेशक (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, प्रथम दिक्षांत समारोह में संबोधन देते हुए

प्रथम दिक्षांत समारोह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, १८ मार्च २०१७, तथागत साल (बुद्धा पार्क), रावंगला, दक्षिणी सिक्किम

प्रथम दिक्षांत समारोह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, १८ मार्च २०१७, तथागत साल (बुद्धा पार्क), रावंगला, दक्षिणी सिक्किम

शैक्षणिक समितियाँ
शासकीय परिषद्
शासकीय परिषद् के सदस्य

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२.	संयुक्त सचिव अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति उच्च शिक्षा विभाग (टीई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
३.	वित्तीय सलाहकार अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति, उच्च शिक्षा विभाग (टीई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
४.	श्री जी. पी. उपाध्याय, प्रधान सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार राज्य द्वारा मनोनीत व्यक्ति	सदस्य
५.	श्री उज्ञेन चोपल राज्य द्वारा मनोनीत व्यक्ति-२	सदस्य
६.	निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति	सदस्य
७.	डॉ. तारकनाथ कुंडु शासी सभा नामांकित व्यक्ति-१, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सदस्य
८.	मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी शासी सभा मनोनीत व्यक्ति-२, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सदस्य
९.	डॉ. मो. नुरुज्जमन प्रभारी रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सचिव

शासकीय परिषद की ७वीं बैठक २७ फरवरी, २०१७ को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

सबसे पहले अध्यक्ष ने शासकीय परिषद के सदस्यों का स्वागत किया। राज्य द्वारा नामांकित श्री यू. चोपल को अनुपस्थिति की अनुमति दी गई। सदस्यों ने आचार्य अजय कुमार रे को भारत सरकार से पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई दी। शासकीय परिषद ने न केवल संस्थान के विकास के लिए अपितु संस्थान की दूरस्थ अस्थायी स्थान एवं अस्थायी परिसर के साथ जुड़ी समस्याओं के बावजूद वर्तमान वर्ष में छात्रों के नियोजन के लिए, निदेशक और उनके संकाय व कर्मचारियों के दल के लिए अपनी सराहना को पुनः औपचारिक रूप से दोहराया।

निम्नलिखित शासकीय परिषद् के सदस्य बैठक में उपस्थित रहे-

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	प्रो. अजय कुमार रे निदेशक (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२.	श्री संजीव कुमार शर्मा अतिरिक्त सचिव प्रतिनिधि, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
३.	श्री जी. पी. उपाध्याय मुख्य सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार	सदस्य
४.	प्रो. चंदन महंत प्रो. और अधिष्ठाता, छात्र मामले, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी (निदेशक प्रतिनिधि, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी)	सदस्य
५.	श्री डी. के. सिंह अवर सचिव, (वित्तीय सलाहकार प्रतिनिधि, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)	सदस्य
६.	डॉ. तारकनाथ कुंडु सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम शासी सभा द्वारा नामांकित व्यक्ति-१	सदस्य
७.	मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी सहायक प्रोफेसर, सीएसई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम शासी सभा द्वारा नामांकित व्यक्ति-२	सदस्य
८.	डॉ. मो. नुरुज्जमन प्रभारी रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सचिव

वित्त समिति के सदस्य

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम की वित्त समिति की तीसरी बैठक मिनट्स २७ फरवरी, २०१७ को ६:३० बजे होटल जेआरडी इगज़ोटिका, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली में आयोजित किए गए थे।

बैठक में वित्त समिति (एफसी) के निम्नलिखित सदस्य और अतिथि उपस्थित थे :

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	डॉ. अजय कुमार रे, निदेशक (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२.	श्री संजीव कुमार शर्मा (निदेशक, (रा.प्र.स.))	सदस्य
३.	श्री डी. के. सिंह (अवर सचिव)	सदस्य
४.	डॉ. चंदन महंत (प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी)	सदस्य
५.	डॉ. मो. नुरुज्जमन (रजिस्ट्रार (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य/सचिव

अध्यक्ष की ओर से सभी सदस्यों के लिए स्वागत अभिभाषण और महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद देते हुए बैठक आरंभ की गई। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया था।

- डॉ. तारकनाथ कुंडू, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
- मो. सरफराज आलम अंसारी, सहायक आचार्य, सीएसई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम

निर्माण और कार्य समिति

निर्माण और कार्य समिति के निम्नलिखित सदस्य और विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि, सिक्किम के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण और कार्य समिति की तीसरी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक १३ फरवरी, २०१७ को ११:०० बजे कोलकाता के आईआईईएसटी, शिबपुर में आयोजित की गयी थी।

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	डॉ. अजय कुमार रे निदेशक (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२.	श्री के. राजन (अवर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय)	सदस्य
३.	श्री शशि कांत (मुख्य अभियंता (सिविल), सीपीडबल्यूडी, कोलकाता)	सदस्य
४.	श्री दुर्गा प्रसाद कोन्हर (अधीक्षक अभियंता (विद्युत), सीपीडबल्यूडी, कोलकाता)	सदस्य
५.	डॉ ऑरबिंद पांडा (प्रभारी अधिष्ठाता (पी एंड डी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	कार्यकारी सदस्य
६	डॉ. मो. नुरुज्जमन (प्रभारी रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	कार्यकारी सदस्य
७.	श्री अमित कुमार दास (एफआईसीएमए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	विशेष आमंत्रित
८.	श्री कन्हैया प्रसाद (कनिष्ठ अभियंता, सिविल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	विशेष आमंत्रित

सीनेट :

एनआईटी सिक्किम की शासी सभा में निम्नलिखित सदस्य हैं :

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२.	अध्यक्ष द्वारा मनोनित तीन सदस्य, शासकीय परिषद्	बाहरी सदस्य
३.	सभी अधिष्ठाता और संस्थान प्रमुख	सदस्य
४.	लाइब्रेरियन	सदस्य
५.	रजिस्ट्रार (प्रभारी), सचिव	सदस्य

२०१६-१७ में शासी सभा की बैठक का विवरण

क्रम. सं.	शासी सभा	स्थान	कार्य भार
१.	तृतीय	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, रावंगला, दक्षिणी सिक्किम	२०.०६.२०१६
२.	चतुर्थ	सभागार, आईआईईएसटी शिबपुर	२६.१२.२०१६

निम्नलिखित सीनेट सदस्य और विशेष आमंत्रित अतिथि २० जून,२०१६ को एनआईटी सिक्किम की तृतीय सीनेट बैठक में उपस्थित रहे-

क्र.सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१.	प्रो. ए.बी. समद्दर	अध्यक्ष
२.	डॉ. मो. नुरुज्जमन (सहायक अधिष्ठाता , शैक्षणिक मामले (एडीडीए)	सदस्य
३.	डॉ. संग्राम रे (संकाय (प्रभारी), सीएसई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
४.	डॉ. अंजन कुमार रे (संकाय (प्रभारी), ईईई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
५.	डॉ. संजय कुमार जना (संकाय (प्रभारी), ईसीई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
६.	डॉ. सरित कुमार दास (संकाय (प्रभारी), सीई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
७.	डॉ. शंभूनाथ बर्मन संकाय (प्रभारी), एमई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
८.	डॉ. तारकनाथ कुंडु, समन्वयक, जैव प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सदस्य
९.	डॉ. रवि श्रीवास्तव संकाय (प्रभारी), गणित, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
१०.	डॉ. अचिंतेष नारायण बिस्वास (संकाय (प्रभारी), रसायन विज्ञान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
११.	डॉ. धनंजय त्रिपाठी (संकाय (प्रभारी), मानविकी और सामाजिक विज्ञान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम)	सदस्य
१२.	प्रो. तपन कुमार नायक (वीईसीसी, कोलकाता)	बाहरी सदस्य
१३.	प्रो. एसएस पाठक (प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर)	बाहरी सदस्य
१४.	श्री सरफ़राज़ आलम अंसारी	आमंत्रित सदस्य
१५.	डॉ. सुमित साहा	आमंत्रित सदस्य
१६.	डॉ. एस जी समद्दर	आमंत्रित सदस्य
१७.	डॉ. सौरव मलिक	आमंत्रित सदस्य
१८.	श्री सम्यजीत बसु	आमंत्रित सदस्य
१९.	डॉ. ओम प्रकाश	आमंत्रित सदस्य
२०.	श्री सुरजीत कुंडु	आमंत्रित सदस्य
२१.	श्री स्वप्न मन्ना	सहायक रजिस्ट्रार

निम्नलिखित सीनेट सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य २६ दिसंबर, २०१६ को आईआईईएसटी शिबपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम की चतुर्थ शासी सभा की बैठक में उपस्थित रहे :

क्रम. सं.	सदस्य का नाम और पद	कार्य भार
१ .	प्रो. अजय कुमार रे निदेशक प्रभारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	अध्यक्ष
२ .	प्रो. बसाबी भट्टाचार्य प्रोफेसर, वित्तीय अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता	बाहरी सदस्य
३ .	प्रो. एस. एस. पाठक प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर	बाहरी सदस्य
४ .	डॉ. रंजन बासक अधिष्ठाता (प्रभारी) शौक्षणिक मामले, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
५ .	डॉ. मो. नुरुज्जमन रजिस्ट्रार (प्रभारी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम आंतरिक	आंतरिक सदस्य
६ .	डॉ. सुमिती साहा अधिष्ठाता (प्रभारी) छात्र मामले, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
७ .	डॉ. अनिंद्य बिस्वास अधिष्ठाता (प्रभारी) शोध और परामर्श, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सदस्य
८ .	डॉ. संग्राम रॉय विभागाध्यक्ष, सीएसई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	सदस्य
९ .	डॉ. अंजन कुमार रे विभागाध्यक्ष, ईईई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१०.	डॉ. तारकनाथ कुंडु, विभागाध्यक्ष, रसायन और जीव विज्ञान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
११.	डॉ. संजय कुमार जना विभागाध्यक्ष, ईसीई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१२.	डॉ. शंभूनाथ बर्मन विभागाध्यक्ष, एमई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१३.	डॉ. रवि श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, गणित, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१४.	डॉ. धनंजय त्रिपाठी विभागाध्यक्ष, एचएसएस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१५.	श्री अलक पात्रा विभागाध्यक्ष, सीई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१६.	श्री स्वपन मन्ना के आई ओ, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१७.	श्री राम नेपाल एआर (शैक्षणिक), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	आंतरिक सदस्य
१८.	डॉ. प्रवीन कुमार प्रसाद	विशेष आमंत्रित अतिथि
१९.	प्रो. असीस मजूमदार	विशेष आमंत्रित अतिथि

रजिस्ट्रार और अधिष्ठाता

आदेश संख्या ४६७/डीओ दिनाँक २० सितंबर २०१६

क्रम. सं.	अधिष्ठाता	मनोनीत संकाय
१.	शौक्षणिक मामले (एए)	डॉ. रंजन बसाक
२.	प्रशासन, संकाय और कर्मचारी मामले (एएफएसए)	डॉ. अचिंतेष नारायण बिस्वास
३.	छात्र मामले (एसए)	डॉ. सुमित साहा
४.	शोध और परामर्श (आर एंड सी)	डॉ. अनिंद्य बिस्वास
५.	योजना और विकास (पी एंड सी)	डॉ. अरविंद पांडा

१.	रजिस्ट्रार (प्रभारी)	डॉ. अचिंतेष नारायण बिस्वास (आदेश संख्या ४७१/DO दिनाँक ४ अक्टूबर २०१६)
२.	रजिस्ट्रार (प्रभारी)	डॉ. मो. नुरुज्जमन (आदेश संख्या ४७६/DO दिनाँक १० दिसंबर २०१६)

समितियाँ

आदेश संख्या; ४७१/डीओ दिनाँक ४ अक्टूबर २०१६

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
१.	प्रभारी संकाय, भूतपूर्व छात्र संबंधी मामले और संसाधन उत्पादन प्रभारी संकाय-श्री मो. सरफ़राज़ आलम अंसार	• एफआईटीपीए • एफआईटीपीए
२.	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना : (आईसीटीआई): प्रभारी संकाय-डॉ. संग्राम रे	• हर विभाग से एचआईसी द्वारा मनोनीत एक संकाय • श्री पंकज कुमार केसरवानी (संयोजक, कंप्यूटर और कंप्यूटिंग) • श्री सुरजीत कुंडु (संयोजक, कम्युनिकेशन) • श्री सरफ़राज़ आलम अंसारी • श्री श्री बी बालाजी नाईक • टीए, सीएसई विभाग
३.	लैंडस्केपिंग, बागवानी और पर्यावरण संरक्षण (एलईजीपी) : प्रभारी संकाय-श्री नीलंजल दत्ता	• एडी (पी एंड डी) • डॉ. संचारिणी दास • सुश्री जयश्री सेनगुप्ता • श्री सुभो दास • निदेशक के सहायक सचिव • बापी मंडल

आदेश संख्या : ४७०/डीओ दिनाँक ४ अक्टूबर २०१६

क्रम. सं.	समिति	समिति सदस्य
१.	संस्थान की परास्नातक समिति	डॉ. संग्राम रे (सीएसई) अध्यक्ष डॉ. अंजन कुमार रे (ईईई) डीन (प्रभारी) (शोध और परामर्श) डॉ. प्रणब कुमार कुंडु (एमई) डॉ. धनंजय त्रिपाठी (एचएसएस) डॉ. संजय कुमार जना (ईसीई)
२.	संस्थान की स्नातक समिति	डॉ. मो. नुरुज्जमन (भौतिक), अध्यक्ष अधिष्ठाता (प्रभारी) (छात्र मामले) डॉ. तारकनाथ कुंडु डॉ. प्रत्यय कुईला डॉ. अलक कुमार पात्रा श्री देबाजीत साहा
३.	परीक्षा समिति	डॉ. सौरव मलिक, नियंत्रक प्रभारी, परीक्षा (सीआईसी-ई) डॉ. अंजन कुमार रे डॉ. ओम प्रकाश डॉ. प्रणब कुमार कुंडु सुश्री गोपा भौमिक? श्री तरुण बिस्वास श्री प्रदीप कुमार

आदेश संख्या : ४५६/ डीओ दिनाँक ५ अगस्त २०१६

१.	डॉ. ऑरबिंद पांडा, एफआईपीईसीआई, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना (एफआईआईसीटीआई) के प्रभारी संकाय होंगे। इस कार्य में निम्नलिखित संकाय उनके सहायक होंगे : • श्री सुरजीत कुंडु-इंटरनेट से जुड़े मामले, परिसर संजाल, कार्यालय स्वचालन, एचपीसी से जुड़े मामले और सौंपें जाने वाले अन्य मामले। • श्री पंकज कुमार केसरवानी- संगणक, छपाईयंत्र, सॉफ्टवेयर और संगणक सुविधा से जुड़े मामले।
२.	श्री देबजीत साहा को कैंपस से बाहर स्थित छात्र छात्रावास एवं संकाय/कर्मचारी अपार्टमेंट का वार्डन मनोनित किया जाता है। श्री सुरजीत कुंडु औपचारिक रूप से ३१ अगस्त, २०१६ तक श्री देबजीत साहा की सहायता करेंगे।
३.	श्री अमित कुमार दास, निर्माण एवं अनुरक्षण गतिविधियों (एफआईसीएमए) के प्रभारी संकाय होंगे। डॉ. सरित कुमार दास २२ अगस्त तक औपचारिक रूप से उनका सहयोग करेंगे।

आदेश संख्या : ५६/आर ओ/ईएसटीडीदिनाँक २० फरवरी २०१७

१	निर्माण और अनुरक्षण गतिविधियाँ (सीएमए) प्रभारी संकाय श्री अमित कुमार दास संयोजक- श्री देबाशीष रॉय	• एडी (पी एण्ड डी) • एफआईपीसीआई • डॉ. शंभूनाथ बर्मन • श्री प्रदीप कुमार • कनिष्ठ अभियंता, सिविल • श्री सुभो दास

आदेश संख्या : ३२/आर ओ दिनाँक २० जनवरी २०१७

१.	विद्युत और ऊर्जा संरक्षण पहल (पीईसीआई) डॉ. प्रदीप कुमार-प्रभारी संकाय श्री मलय रॉय-संयोजक	• एफआईसीएमए • एफआईआईसीटीआई • डीआईसी (एफ एण्ड एसए) • डॉ. सौरव मलिक • श्री अमृत शर्मा

आदेश संख्या ६२६/डीओ दिनाँक २० फरवरी २०१६

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
१.	सामुदायिक विकास और जागरूकता अभियान (सीडीएपी) : प्रभारी संकाय-डॉ. शंभूनाथ बर्मन	१. एडी (एसए) २. डॉ. सरित कुमार दास ३. डॉ. रवि श्रीवास्तव ४. मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी ५. सुश्री सुधा दास खान ६. सुश्री सुजाता ढुंगाना

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
२.	निर्माण और अनुरक्षण गतिविधियाँ (सीएमए) प्रभारी संकाय-डॉ. सरित कुमार दास संयोजक-सुश्री सुधा दास खान	१. एफआईपीईसीआई २. एडी (पी एण्ड डी) ३. डॉ. शंभूनाथ बर्मन ४. श्री प्रदीप कुमार ५. कनिष्ठ अभियंता (सिविल) ६. श्री सुभो दास
३.	परीक्षा प्रकोष्ठ : सहायक नियंत्रक-डॉ. सुमित साहा	१. प्रभारी संकाय, पीजी समिति २. प्रभारी संकाय, यूजी समिति ३. डॉ. ओम प्रकाश ४. डॉ. अनिंद्य बिस्वास ५. श्री तरुण बिस्वास
४.	खेल-कूद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ (जीएससीए): प्रभारी संकाय-डॉ. प्रणब कुमार कुंडु संयोजक-श्री हेमंत कुमार कथानिया	• मुख्य वार्डन • बालिका छात्रावास संरक्षक • डॉ. धनंजय त्रिपाठी • श्री सुरजीत कुंडु • श्री तरुण बिस्वास • श्री अमित मैती
५.	स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं (एचसीएस) : प्रभारी संकाय-डॉ. रवि श्रीवास्तव	• एडी (ए एंण्ड एफए) • एडी (एसए) • मुख्य संरक्षक • बालिका छात्रावास संरक्षक • सहायक रजिस्ट्रार • श्री भरत प्रधान • श्रीमति भुक्या हेमावथी
६.	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना : (आईसीटीआई) : प्रभारी संकाय-डॉ. प्रत्यय कुईला संयोजक-श्री पंकज कुमार केसरवानी	१. एफआईपीईसीआई २. श्री हेमंत कुमार कथानिया ३. श्री बी बालाजी नायक ४. एफआईपीडबल्यूआईएस ५. श्री तरुण बिस्वास ६. केआईओ

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
७.	नवोन्मेष प्रकोष्ठ : अध्यक्ष-डॉ. एस जी समद्दर	१. एडी (आर सी) २. डॉ. धनंजय त्रिपाठी ३. डॉ. सरित कुमार दास ४. डॉ. अनिंद्य बिस्वास ५. श्री सुरजीत कुंडु
८.	ज्ञान, सूचना और अधिगम सक्षमता (केआईएलई) : प्रभारी संकाय-डॉ. रंजन बासक संयोजक-के आई ओ	१. एडी (एए) २. डॉ. सुमित साहा ३. डॉ. रवि श्रीवास्तव ४. श्री क्रिस्टोफर सुधीर जॉर्ज आवश्यकता पड़ने पर, इंटेंडिंग विभाग के प्रतिनिधि को भी बैठक के लिए बुलाया जा सकता है।
९.	भूपरिदृश्य, बागवानी और पर्यावरण संरक्षण (एलईजीपी) : प्रभारी संकाय-डॉ. अचिंतेष नारायण बिस्वास	• एडी (पी एण्ड डी) • एफआईसीएमए • डॉ. अनिंद्य बिस्वास • सुश्री जयश्री सेनगुप्ता • श्री सुभो दास • सुश्री पूनम सिंह
१०.	शक्ति और ऊर्जा संरक्षण पहल (पीईसीआई) प्रभारी संकाय-डॉ. अरबिंद पांड़ा संयोजक-श्री मलय रॉय	• एफआईसीएमए • एफआईआईसीटीआई • एडी (एएफए) • डॉ. सौरव मलिक • श्री अमृत शर्मा
११.	कार्याध्यक्ष परिषद-सहायक कार्याध्यक्ष-एडी (एसए)	१. मुख्य संरक्षक २. डॉ. रंजन बसाक ३. डॉ. संग्राम रे ४. संरक्षक, बालिका छात्रावास ५. संरक्षक, परिसर से बाहर के छात्र छात्रावास ६. संरक्षक, परिसर से बाहर छात्र छात्रावास ७. डॉ. अरबिंद पांडा ८. श्री देबजीत साहा ९. सुश्री जयश्री सेनगुप्ता

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
१२.	भारतीय भाषाएं और संस्कृति प्रोन्नयन (पीआईएलसी) : प्रभारी संकाय-डॉ. धनंजय त्रिपाठी	१. डॉ. तारकनाथ कुंडु २. डॉ. प्रणब कुमार कुंडु ३. डॉ. अनिंद्य बिस्वास ४. श्री पंकज कुमार केसरवानी ५. श्री स्वपन मन्ना
१३.	प्रकाशन और वेब सूचना प्रणाली (पीडबल्यूआईएस) : प्रभारी संकाय-डॉ. धनंजय त्रिपाठी संयोजक - श्री बी. बालाजी नायक	१. डॉ. अंजन कुमार रे २. डॉ. संग्राम रे ३. एफआईकेआईएलई ४. एफआईआईसीटीआई ५. सहायक रजिस्ट्रार ५. श्री स्वपन मन्ना
१४.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ : अध्यक्ष-सुश्री गोपा भौमिक	१. श्री मो. सरफ़राज़ आलम अंसारी २. श्री हेमंत कुमार कथानिया ३. श्री बी बालाजी नायक ४. सुश्री सुधा दास खान ५. श्री बापी मंडल
१५.	भंडार और अधिप्राप्ति गतिविधियाँ (एसपीए) : प्रभारी संकाय-डॉ. तारकनाथ कुंडु	१. श्री सुरजीत कुंडु २. संबंधित इंड़ेटर या प्रतिनिधि ४. डॉ. प्रणब कुमार कुंडु ३. श्री तरुण बिस्वास ४. उप लेखापाल
१६.	प्रशिक्षण और नियोजन गतिविधियाँ (टीपीए) : प्रभारी संकाय-डॉ. संग्राम रे	• एडी (एए) • एफआईआईसीटीआई • सुश्री गोपा भौमिक • श्री हेमंत कुमार कथानिया • डॉ. धनंजय त्रिपाठी • श्री साम्यजीत बसु
१७.	वाहन और परिवहन प्रबंधन गतिविधियाँ (वीटीएमए) : प्रभारी संकाय-डॉ. शौविक घोष	१. सहायक रजिस्ट्रार २. एफआईएचसीएस ३. एडी (एसए) ४. डॉ. सौरव मलिक ५. सहायक सचिव, निदेशक ६. श्री बापी मंडल

क्रम. सं.	समितियाँ/प्रकोष्ठ और प्रभारी संकाय	अन्य समिति सदस्य
१८.	महिला शिकायत प्रकोष्ठ (डबल्यूजीसी) : अध्यक्ष-सुश्री गोपा भौमिक	१. एडी (एसए) अथवा उनके प्रतिनिधि २. डॉ. रंजन बसाक ३. सुश्री ताज़मा खातुन नुरुज्जमन ४. सुश्री सुजाता ढुंगाना

शिक्षेतर कर्मचारी सूची

कर्मचारी सूची २०१६-२०१७

नियमित कर्मचारी

क्रम. सं.	नाम	विभाग
१.	श्री बापी मंडल	कनिष्ठ सहायक, निदेशक कार्यालय
२.	अमित तमांग	तकनीकी सहायक , ईसीई
३.	अमित मैती	तकनीशियन, एमई
४.	निषिता छेत्री	कनिष्ठ सहायक, केआईसी कार्यालय
५.	श्री सुभो दास	तकनीकी सहायक, सीई
६.	अमृत शर्मा	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
७.	पूनम सिंह	एमटीएस, एफआईसीएमए कार्यालय
८.	भरत प्रधान	कनिष्ठ सहायक, लेखा विभाग
९.	सुजाता ढुंगाना	कनिष्ठ सहायक, रजिस्ट्रार कार्यालय व डीआईसी (एएफ और एसए)
१०.	सुमन पाठक	प्रयोगशाला सहायक, रसायन
११.	हैप्पी मंडल	प्रयोगशाला सहायक, भौतिकी
१२.	चंद्रमा मजूमदार	तकनीशियन, जीव विज्ञान
१३.	शेरिंग जंगमो भूटिया	कनिष्ठ सहायक, डीआईसी (एसए) और टीपी प्रकोष्ठ
१४.	सोनम खोड़ेन तमंग	एमटीएस, डीआईसी (एए)
१५.	सिद्धार्थ प्रधान	प्रयोगशाला सहायक, ईसीई
१६.	सहेली साहा	कनिष्ठ अभियंता, सिविल
१७.	अरूप दास	तकनीकी सहायक, पीई
१८.	दीपिका छेत्री	तकनीकी सहायक, ईईई
१९.	मनीष कुमार	तकनीशियन, ईईई
२०.	उज्जल कुमार दास	तकनीकी सहायक, सीएसई
२१.	जेनिटा जॉसेफ	लेखापाल
२२.	चंदा मॉक्टन	तकनीशियन, सीई
२३.	तपन छेत्री	तकनीशियन, सीएसई

अनौपचारिक कर्मचारी

क्रम. सं.	नाम	विभाग
१.	श्री राम प्रसाद नेपाल	शैक्षणिक और प्रशासनिक
२.	श्री स्वपन मन्ना	केआईओ
३.	श्री साहिल मिंड़ा	उप-लेखापाल
४.	श्री कन्हैया प्रसाद	कनिष्ठ अभियंता, सिविल
५.	श्री क्रिस्टोफर सुधीर जॉर्ज	पुस्तकालय सहायक
६.	सुश्री बी हेमावथी	शुश्रूषा सहायक

लोगो अंगीकरण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम का लोगो परिकल्पित किया गया है और इसे रिपोर्ट के मुखपृष्ठ पर दिया गया है। इसमें संगणक विज्ञान की मूल इकाइयां प्रतीकबद्ध करने वाली संख्या एक और शून्य युक्त चित्र है। इस चित्र में एक पुल भी है, जो सिविल अभियांत्रिकी का चिह्न है, विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी के लिए एंटीना शामिल है। लोगो नीचे दर्शाया गया है।

इस चित्र में डीएनए संरचना भी शामिल है जो यह भावना देता है कि संस्थान जैव-प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रचुर अवसर प्रदान करता है। इस चित्र में नदी और देवदार का पेड़ सिक्किम राज्य के वनस्पतिजात और जीवजात का प्रतीक है। लौ (दीपक) और उगता सूर्य संस्थान की पंच लाइन, 'चरैवेती' का सुरम्य वर्णन है-जो एक वैदिक वाक्य है, जिसका अर्थ निरंतर उन्नपति करना है। ऊँचाई पर उड़ते दो पक्षी वयस्क प्रौद्योगविद् का रूपक हैं जिन्हें ज्ञान का प्रकाश फैलाने जाने के लिए तैयार और मुक्त किया जाता है; वृत्तद बंद नहीं है बल्कि यह विचार प्रकट करने के लिए दाईं ओर शीर्ष पर खुला है कि संस्थाान अपने छात्र-छात्राओं और सहयोगियों को प्रौद्योगिकी के क्षितिज का अन्वेषण करने की स्वतंत्रता देने में विश्वास रखता है।

इस परिकल्पना को शासी परिषद द्वारा सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, इसके सरलीकरण और बेहतर कला-कार्यान्वयन के लिए औद्योगिक परिकल्पना केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-बॉम्बे के साथ पत्राचार चल रहा है।

वेबसाइट का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम की वेबसाइट २०११ के जुलाई महीने में www.nitsikkim.ac के नाम से शुरू की गई थी। वर्तमान वेबसाइट में आगे और सुधार किया गया है। वर्तमान होम पेज निम्नानुसार परिकल्पित किया गया है (दो दृष्टिकोण केंद्रीय डिसप्ले में गतिशील रूप से परिवर्तनशील चित्र दिखाते हैं):

वेबसाइट के प्रशासनिक प्रमुख निदेशक हैं। एफआईपीडब्युआईएस डॉ. धनंजय त्रिपाठी तकनीकी प्रमुख हैं और वेबसाइट की देखभाल करते हैं। संस्थान के छात्र-छात्राओं का एक समूह वेबसाइट अद्यतन रखने के लिए समिति के संयोजक, श्री बी बालाजी नाइक के साथ काम करता है। छात्र-छात्राओं की समिति को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम का वेब विकास प्रकोष्ठ। कहा जाता है जो न केवल वेबसाइट को अद्यतन रखता हैं बल्कि समय-समय पर आवश्यकतानुसार नए वेबपृष्ठ और सब डोमेन भी बनाना जारी रखते हैं। यह पहल छात्र-छात्राओं की वेब विकास के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहायता करती है। वेबसाइट पर विषय वस्तुओं की अंतिम ज़िम्मेदारी प्रशासनिक प्रमुख पर है; हालांकि, परिवर्तन और अद्यतन करना तकनीकी प्रमुख की मँजूरी के अधीन हैं।

नवाचार प्रकोष्ठ

उपलब्धियाँ और जिम्मेदारियाँ

- अभियंत्रण २०१६ के दौरान तकनीकी प्रदर्शनी का समन्वय।
- अभियंत्रण २०१६ के दौरान अनुसंधान और नवाचार शिखर सम्मेलन।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम ने एमएसएमई-डी, गंगटोक के सहयोग से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में उद्यमशीलता के लिए विचार विकसित करने के लिए छात्र-छात्राओं और संकायों के लाभ के लिए एमएसएमई मंत्रालय कभी ऊष्मायन योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया था।

सूचना संचार प्रौद्योगिकी अवसंरचना (आईसीटीआई)

हालांकि, लघु परिसर वाई-फाई संजाल द्वारा अच्छादित है, परिसर की दूरस्थ अवस्थिति के कारण बीएसएनएल (एनकेएन के अंतर्गत) के माध्यम से इंटरनेट जुड़ाव संतोषजनक नहीं है। इंटरनेट जुड़ाव के साथ कई सीमाबंधन होते हुए भी, संस्थान सीमित संसाधनों से नव निर्मित छात्र छात्रावास (प्रीफैब II) को वाई-फाई संपर्क अवसंरचना का विस्तार प्रदान करता है। इसके अलावा, आंतरिक आईसीटी अवसंरचना का कक्षाओं, विभागों और कार्यालयों में आईटी उपकरण के माध्यम से उन्नयन किया गया है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और संकाय की विभिन्न समस्याओं की देखभाल करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ वर्ष २०१४ के दौरान संस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ का गठन किया गया था।

- सुश्री गोपा भौमिक (अध्यक्ष)
- मो. सरफराज आलम अंसारी
- श्री हेमंत कुमार कथानिया
- श्री बी. बालाजी नाइक
- श्री बापी मंडल

इस समिति के सदस्य संस्थान की आरक्षण नीतियों की निगरानी करते हैं जहाँ लागू होता है और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के लाभ के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का समन्वय करते हैं।

अकादमिक रूप से धीमी गति वाले छात्र-छात्राओं की जरूरतें पूरा करने के लिए, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक और पीडब्ल्यूडी श्रेणी से संबंधित प्रथम वर्ष के प्रौद्योगिकी स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए संगणक प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला समेत सभी सिद्धांत विषयों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है।

केंद्रीय क्षेत्र की शीर्ष कक्षा शिक्षा छात्रवृत्ति (टीसीईएस) योजना के अंतर्गत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय शीर्ष १२ प्रौद्योगिकी स्नातक अनुसूचित जाति छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करता है जिनकी पारिवारिक आय ४.५ लाख से कम है। केंद्रीय क्षेत्र की शीर्ष कक्षा शिक्षा छात्रवृत्ति (टीसीईएस) योजना के अंतर्गत जनजातीय मामलों का मंत्रालय प्रौद्योगिकी स्नातक/परास्नातक अनुसूचित जाति छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करता है जिन्होंने राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल में ऑनलाइन पंजीकरण कराया है और जिनकी पारिवारिक आय ४.५ लाख से कम है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक श्रेणी के छात्र-छात्राओं को निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत भी छात्रवृत्ति मिल रही है:

- सिक्किम राज्य सरकार छात्रवृत्ति
- उत्तर पूर्व राज्य के छात्र-छात्राओं के लिए ईशान उदय छात्रवृत्ति
- जेएनवी से पढ़ाई-लिखाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए सैमसंग छात्रवृत्ति।

अभियांत्रिकी में गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं के लिए निम्नलिखित योजनाएं लागू की गई हैं जिनकी सभी स्रोतों से पारिवारिक आय ४.५ लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है।

- पुस्तक और लेखनसामग्री भत्ता- रु. ३,०००/- प्रति वर्ष ।
- आवास एवं भोजन भत्ता-रु. २६,४००/- प्रति वर्ष (२,२००/- प्रति माह)।
- एक मुश्त सहायता के रूप में रु. ४५,०००/- प्रति छात्र तक सीमित पूर्ण सहायक उपकरणों के साथ नवीनतम संगणक।

यह प्रकोष्ठ हमेशा इस समुदाय के छात्र-छात्राओं को कक्षावधि के साथ-साथ खेल-कूद के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह प्रकोष्ठ ऐसे पहचाने गए छात्र-छात्राओं को परामर्श भी प्रदान करता है जिन्हें शिक्षा और साथ ही शोध में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए समय-समय पर प्रेरणा की आवश्यकता होती है।

महिला शिकायत प्रकोष्ठ

संस्थान की महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा बनाए रखने के लिए डब्लूजीसी का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य संस्थान की सभी महिला छात्राओं, संकायों और कर्मचारियों के लिए स्वस्थ कार्य वातावरण को बढ़ावा देना है। यह प्रकोष्ठ यौन उत्पीड़न के मामलों और शिकायतों और संस्थान की महिला छात्राओं, संकायों और कर्मचारियों के किसी भी अन्य प्रकार के उत्पीड़न से निपटता है। इस प्रकोष्ठो के सदस्य महिलाओं द्वारा सामना किए गए मामलों की जाँच करते हैं और दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हैं।

इस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुश्री गोपा भौमिक हैं, जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :

क्र. सं.	नाम	पद
१	सुश्री गोपा भौमिक	अध्यक्ष
२	डॉ सुमित साहा	आंतरिक सदस्य
३	डॉ रंजन बसाक	आंतरिक सदस्य
४	सुश्री सुजाता धुंगाना	आंतरिक सदस्य
५	श्रीमती तज्मा खातू नूरुज्जमा	बाह्य सदस्य

परिवहन सुविधाएँ

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम संस्थान की शुरुआत के बाद से ही अस्थायी परिसर में चल रहा है। छात्रावास में छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त संख्या में कमरों की अनुपलब्धता के कारण, प्रथम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं परिसर से २ कि.मी. दूर स्थित परिसर बाह्य छात्रावास में रह रहे हैं। इन छात्र-छात्राओं को परिसर में लाने और वापस छात्रावास पहुंचाने के लिए दो बसें लगी हैं। संस्थान के वाहन परिवहन प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन इन बसों का संचालन होता है। इनमें से एक बस का स्वामी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम है और दूसरी बस को स्थानीय विक्रेता से किराए पर लिया गया है। नियमित दिनचर्या के अलावा, छात्र-छात्राओं को, जब भी उन्हें सिक्किम से बाहर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भेजा जाता है, निकटतम रेलवे जंक्शन न्यू जलपाईगुड़ी जाने के लिए बस उपलब्ध करायी जाती है। संकाय और कर्मचारीगण भी संस्थान से स्थानीय बाजार तक बस सेवा का उपयोग करते हैं। छुट्टी के दौरान, कर्मचारी और संकाय भुगतान के आधार पर निकटतम रेलवे स्टेशन तक बस सेवा का उपभोग कर सकते हैं।

शैक्षणिक विभाग

जैव प्रौद्योगिकी

विभाग में संकाय सदस्य

- डॉ तारकनाथ कुंडू एचओडी (आई/सी)
- डॉ संचरिणी दास
- डॉ स्वर्णेंद्रू बैग
- डॉ अमलान दास
- डॉ अचिंतेश नारायण विश्वास
- डॉ सुमित साहा

विभाग में सुविधाएँ

विभाग निम्नलिखित विश्लेषणात्मक/प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है

- एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- लो टेम्परेचर कूलिंग बाथ

- कोलोरीमीटर
- ऑटोक्लेव
- बीओडी इनक्यूबेटर
- पीएच मीटर
- लैमिनर फ्लो हुड
- -२० डिग्री रेफ्रिजरेटर
- रोटरी एवापोरेटर
- मैग्नेटिक स्टिरर

संस्थान से बाहर गतिविधियां

- डॉ संचरिणी दास, जैव प्रौद्योगिकी में रूपात्मकता और अनुकरण पत्रिका की संपादकीय मंडल सदस्य
- डॉ संचरिणी दास, आईओसीबीएस (जीव विज्ञान पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन) २०१७ की समिति सदस्य

सिविल अभियांत्रिकी

विभाग में संकाय सदस्य

- डॉ सरित कुमार दास, विभागाध्यक्ष (आई/सी)
- श्री लक कुमार पत्रा
- सुश्री संगीता देब बरमन
- श्री अमित कुमार दास
- श्री देबाशीष रॉय
- श्री नीलंजन दत्ता
- श्री समजीत बसु
- श्रीमती सुधा दास खान
- सुश्री जयश्री सेनगुप्ता

विभाग में सुविधाएं

- कक्षा कक्ष और संगणक प्रयोगशालाएं केंद्रीकृत हैं लेकिन दिन के किसी भी समय सिविल अभियांत्रिकी के छात्र-छात्राओं द्वारा उपयोग किया जा सकता है।

प्रयोगशालाएं

- सर्वेक्षण प्रयोगशाला
- सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला
- भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

विभाग में चल रही परियोजनाएं/योजनाएं

- ६ शहरों और १ भूमिभराव के लिए सिक्किम में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लिए डीपीआर मूल्यांकन। (टीम के सदस्य डॉ सरित कुमार दास, श्री समजीत बसु, श्री नीलंजन दत्ता)

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- प्रौद्योगिकी स्नातक

अन्य

- सिविल अभियांत्रिकी विभाग के संकाय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के परिसर के निर्माण और रखरखाव की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।
- यह विभाग रावंग्लां में संस्थान के परिसर के भूनिर्माण, उद्यान कर्म और पर्यावरणीय संरक्षण में भी योगदान देता है।

निर्माण/सिविल :

निर्माण सिविल अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के भीतर स्थिति अपंजीकृत, गैर-लाभकारी संगठन है। इस समिति के सदस्यों में सिविल अभियांत्रिकी विभाग के स्नातक छात्र-छात्राएं, संकाय सदस्य और पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल हैं जो सिविल अभियांत्रिकी की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के समग्र विकास में सहायता करने और सुविधा प्रदान करने के लिए एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। निर्माण पूरे वर्ष योजनाबद्ध विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं के प्रतिभा प्रदर्शित करने और निखारने का मंच प्रदान करता है। इस मंच का, जहां भी संभव होता है, अन्य विभागों के छात्र-छात्राओं के लिए भी विस्तौर किया जाता है।

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

विभाग में संकाय सदस्य

- डॉ संग्राम रे (एचओडी आई/सी)
- डॉ प्रत्यय कुइला
- श्री मो. सरफराज आलम अंसारी
- श्री पंकज कुमार केसरवानी
- श्रीमती गोपा भौमिक
- श्री तरुण बिस्वास
- श्री बनावत बालाजी नाइक
- डॉ शेफलिका घोष समद्दर
- डॉ बिरी अरुण

विभाग में सुविधाएं

- यह विभाग चार वर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातक (सीएसई) डिग्री, दो वर्षीय परास्नातक (सीएसई) डिग्री और पीएच.डी प्रदान करता है।
- इस विभाग में अभियांत्रिकी की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते हुए प्रयोज्यता पर बल के साथ संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के सभी पहलुओं से संबंधित विषयों पर व्यापक पाठ्यक्रम है।
- पाठ्यक्रम संरचना अद्यतन है और इसमें इस क्षेत्र में नवीनतम विकास से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सुसज्ज्ति करने के लिए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल है।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न अन्य संगठनों के समन्वित प्रयासों का उपयोग करते हुए विशेष रूप से सिक्किम में, और सामान्य रूप से उत्तर-पूर्व क्षेत्र में, अनुसंधान समूहों का निर्माण करने और अनुसंधान गतिविधियों का लाभ उठाने के लिए अनुसंधान के क्षेत्र कूट लेखन, संजाल सुरक्षा, सामान्नतर रूप से वितरीत और उच्च निस्पादन संगणन, कलनगणित, जैव सूचना विज्ञान, संगणक एनीमेशन, सिस्टम सॉफ्टवेयर, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, क्लाउड कंप्यूटिंग, वायरलेस और सेंसर नेटवर्क इत्यादि हैं।
- इस विभाग में उच्च गति वाला इंटरनेट और वायरलेस संजाल द्वारा समर्थित अत्याधुनिक आधारभूत संरचना है।
- संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता के आधार पर अंतःअविषयी और बहु-अनुशासनात्मक परियोजनाएं भी विकसित की गई हैं।

प्रयोगशालाएं

- संगणक प्रयोगशाला-१
  प्रोग्रामिंग भाषा, आंकड़ा संरचना और कलनगणित, वेब अभिकल्पना इत्यादि का संचालन किया जाता है।
- संगणक प्रयोगशाला-२
  ऑपरेटिंग सिस्टम, संगणक संजाल, आंकड़ा आधार प्रबंधन प्रणाली इत्यादि का संचालन किया जाता है।
- संगणक प्रयोगशाला-३

संगणक ग्राफिक्स, पैटर्न पहचान, उन्नत संगणक संजाल इत्यादि का संचालन किया जाता है।

- क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला
- संगणक संजाल और सूचना सुरक्षा प्रयोगशाला (आंशिक रूप से स्थापित)

विभाग में चल रही परियोजनाएं/योजनाएं

- एमईआईटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी में विश्ववरैया पीएच.डी योजना।

अन्य विभाग/संस्थानों के साथ सहयोग

- ब्रेमेन विश्वविद्यालय, जर्मनी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
- सीडीएसी, पुणे

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- सूचना विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में परास्नातक
- संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में पीएच.डी

आयोजित कोई विशेष व्याख्यान/संगोष्ठी/कार्यशाला

- १६-१६ नवंबर, २०१६ के दौरान आईएसआई हैदराबाद और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'डेटा माइनिंग एंड बिजनेस एनालिटिक्सा' पर कार्यशाला।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, भारत में १४-१५ मई, २०१६ को 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में सी-डैक लैब किट का उपयोग करते हुए अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना' पर दूसरी कार्यशाला।

संस्थान से बाहर गतिविधियाँ

- डॉ संग्राम रे ने १३ जनवरी, २०१७ को रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, पश्चिम बंगाल, भारत में 'सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ प्रत्यन कुइला ने २२-२३ अक्टूबर २०१६ को वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बुरला-७६८०१८, उड़ीसा में आईओटी उपकरण और सेंसर नेटवर्क (आईओटीएसएन-२०१६) पर टीईक्यु आईपी-∞ प्रायोजित कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ प्रत्यय कुइला ने २१ दिसंबर २०१६ को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी, उत्तर प्रदेश सरकार), गोरखपुर, उत्तर प्रदेश -२७३०१६ में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रकाशन :

- संग्राम रे, जी.पी. बिस्वास और मोउ दासगुप्त 'सिक्योर मल्टी-पर्पज मोबाइल बैंकिंग यूजिंग एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी', बेतार व्यक्तिगत संचार, स्प्रिंगर, जून २०१६, संस्कण ६०, नं. ३, पीपी १-२४१ (एससीआई-ई)
- ऑप्टिमाइजेशन प्रॉब्लम्स के लिए प्राकृतिक कंप्यूटिंग पर अनुसंधान पुस्तिका, आईजीआई ग्लोबल में प्रत्यय कुइला और प्रशांत के. जन 'इवोल्युसशनरी कंप्यूटिंग अप्रोचेस फॉर क्लस्टरिंग एंड रूटिंग इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क', पीपी २४६-२६६। आईएसबीएन ६७८१५२२५००५८२, मई, २०१६।
- तरुण विश्वास, अंजन कुमार रे, प्रत्यय कुइला, संग्राम रे रिसोर्स फैक्टर-बेस्ड्यू लीडर इलेक्शुन फॉर रिंग नेटवर्क्स, 'आईसीएस २०१६, एआईएससी (स्प्रिंगर), संस्करण ५५३, पीपी २५१-२५७, (२०१६)।
- तरुण विश्वास, प्रत्यय कुइला, अंजन कुमार रे 'मल्टी लेवल क्यू (फॉर टास्क, शेड्यूलिंग इन हेट्रोजीनस डिस्ट्री) ब्युरटेड कंप्यूटिंग सिस्टम,' चौथा इंट आईसीएसीसीएस २०१७, आईईईई एक्सप्लोर, (२०१७)। (सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार)
- बी. बालाजी नाइक, धनंजय सिंह, एबी समददार, हून-जेइ ली 'सिक्योरिटी अटैक्सच ऑन इन्फीर्मेशन सेंट्रिक नेटवर्किंग फॉर हेल्थकेयर सिस्टम', उन्नत संचार प्रौद्योगिकी पर १६वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीटी), फीनिक्स पार्क, प्योंग चांग, दक्षिण कोरिया, १६-२२ फरवरी, २०१७, पीपी ४३६-४४१।
- सुनीत के गुप्ता, प्रत्यय कुइला और प्रशांत के. जन 'एनर्जी एफिशिएंट मल्टपैथ रूटिंग फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्क : अ जेनेटिक अल्गोपरिद्म अप्रोच,'

आईसीएसीसीआई २०१६, आईईईई, पीपी १७३५-१७४०, सितबर, २०१६।

- सुनीत के गुप्ता, प्रत्या कुइला और प्रसंत के. जन ''जीए बेस्डस एनर्जी एफिशिएंट एंड बैलेंस्डत रूटिंग इन कनेक्टेड वायरलेस सेंसर नेटवर्क,'' प्रो आईसीआईसी २०१६ की कार्यवाही, एआईएससी (स्प्रिंगर), संस्कक. ४५८, पीपी ६७९-६८६, नवंबर, २०१६।
- सुनीत के गुप्ता, प्रत्यय कुइला और प्रसंत के. जन ''एनर्जी एफिशिएंट रूटिंग अल्गोरिदम फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स डिस्ट्रीमब्यु टेड अप्रोच, कम्यूनिकेशन एंड और कंप्यूटिंग सिस्टमः संचार और कंप्यूटिंग सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीएस २०१६) की कार्यवाही, सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, पीपी २०७-२१३, (आईएसबीएन ९७८-१-१३८-०२९५२-१), फरवरी, २०१७
- मोउ दासगुप्ता, जी.पी. विश्वास और संग्राम रे ''ट्रैफिक फ्लो मॉडलिंग ऑफ डेटा नेटवर्क एंड इट्स सॉल्यूशन यूजिंग गोल प्रोग्रामिंग,'' अभियांत्रिकी पर विश्व कांग्रेस २०१६ (डब्लूसीई -१६) की कार्यवाही, अभियांत्रिकी कॉलेज, लंदन, यूके, २९ जून-१ जुलाई २०१६, संस्कब. १, पीपी १८८-१ ९३

सामुदायिक विकास में भागीदारी :

- स्थानीय स्कूलों में संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान।
- स्थानीय गांवों में बच्चों का संगणक से परिचय।
- भारतीय सैन्य कर्मियों, रावंग्लाय का संगणक से परिचय।
- रावंग्ला, नमची, पेलिंग इत्यादि से स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा विभाग/प्रयोगशाला दौरा

विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी

विभाग में संकाय सदस्यों:

- डॉ. अंजन कुमार रे (विभागाध्यक्ष इचार्ज)
- डॉ. प्रदीप कुमार
- श्री माले रॉय
- डॉ सौरव मलिक
- डॉ. अरबिन्दा पांडा
- डॉ. अमित कुमार यादव
- डॉ. कुंतल मंडल

विभाग में सुविधाएं:

- विभाग अपनी मशीन प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास करता रहा है।
- प्रगत संगणन विकास केन्द्र (CDAC) बेंगलुरू के सहयोग से, पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (SCADA) एवं स्वचालन प्रयोगशाला सुविधाओं को भी सम्पन्ना किया जा रहा है।

प्रयोगशालाएँ

- यह अपनी मशीन प्रयोगशाला, पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (SCADA) एवं स्वचालन प्रयोगशाला सुविधाओं का भी विकास कर रहा है।

विभाग में चालू परियोजनाएँ/योजनाएँ

- विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी के डॉ अंजन कुमार रे ने प्रो. अरुण बरन समद्दार के साथ विश्वेश्वरैया पीएचडी परियोजना 'इंटेलिजेंट नेटवर्क्ड रोबोटिक्स सिस्टम-प्राप्त की। विभाग में इस परियोजना के अंतर्गत एक पूर्णकालिक पीएचडी शोध छात्र कार्य कर रहा है।

अन्य संस्थानों/संगठनों के साथ सहयोग

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर
- गोहाटी विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान, असम
- राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर

- केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोकराझार

विभाग द्वारा प्रस्तुकत कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- पीएचडी (पूर्णकालिक और अंशकालिक)
- विभाग अगले शैक्षणिक सत्र से परास्नातक कार्यक्रम आरम्भ करने की भी तैयारी कर रहा है।

२०१६-१७ में प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

- मशीन प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास
- प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम के लिए नए पाठ्यक्रम का विकास
- प्रौद्योगिकी परास्नातक कार्यक्रम के लिए नए पाठ्यक्रम का विकास एवं अगले शैक्षणिक सत्र से प्रौद्योगिकी परास्नातक आरंभ करने की तैयारी।

२०१६-१७ में आयोजित/भाग लिए गए विशेष व्याख्यान/सेमीनार कार्यशाला

- मशीन प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास
- प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम के लिए नए पाठ्यक्रम का विकास
- प्रौद्योगिकी परास्नातक कार्यक्रम के लिए नए पाठ्यक्रम का विकास एवं अगले शैक्षणिक सत्र से प्रौद्योगिकी परास्नातक आरंभ करने की तैयारी।
- वार्षिक टेक फेस्ट अभियंत्रण के दौरान विभागीय संकाय सदस्य सभी संस्थागत व्याख्यान/संगोष्ठी/कार्यशालाओं आदि का आयोजन करने में संलग्नं थे।
- डॉ सौरव मलिक ने आईईईई पॉवरकॉन २०१६ सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था।
- डॉ अंजन कुमार रे ने रोबोटिक्स और संगणक विजन पर व्याख्यान देने के लिए केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोकराझार का दौरा किया।
- श्री अरबिंद घोष, एक पीएचडी शोधछात्र ने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), देवघर द्वारा 'संधारणीय ऊर्जा स्रोतों और स्मार्ट ग्रिड के एकीकरण' पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किया।
- श्री अरिंदम सिंघा (पीएच.डी) ने 'साइबर भौतिक प्रणाली (सीपीएस)' पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा आयोजित एक लघु पाठ्यक्रम और कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन

- एम. रॉय और एम. सेनगुप्ता, प्रेरण तापन अनुप्रयोग के लिए आईजीबीटी आधारित सीएसआई-फेड समान्त अनुनादी परिपथ सर्किट के लिए संचार रणनीति (ए कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी फॉर आईजीबीटी बेस्ड सीएसआई-फेड पैरलल रेसोनेन्टस सर्किट फॉर इंडक्शुन हीटिंग एप्लिकेशन), साधना : एकेडमी प्रोसिडिंग्स इन इंजीनियरिंग साइंस, खण्ड ४२, इश्यू २, पृष्ठ १५३-१६१, फ़रवरी, २०१७।
- आर. मंडल, एस. एस. ठाकुर, एस. मलिक, तीन पैरामीटर घातांकी स्मूथिंग तकनीक का उपयोग करके गतिशील स्थिति अनुमानक, आईईई का पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंटेलिजेंट नियंत्रण और ऊर्जा प्रणालियां, दिल्ली, भारत, ४-६ जुलाई, २०१६।
- एस. मलिक, बी. मिश्रा, एस. एस. ठाकुर, सतत अवलोकन मैट्रिक्स का उपयोग करके अच्छी तरह से वातानुकूलित और खराब वातानुकूलित प्रणालियों के लिए दशा आकलन की नवीन तकनीक, आईईई पॉवरकॉन २०१६, वॉलोंगॉग, ऑस्ट्रेलिया, २८ सितम्बरर-१ अक्टूबर, २०१६.
- ए.के. यादव, एच.मलिक, एस.एस.चंदेल, हिमाचल प्रदेश, भारत के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए पीवी प्रणालियों की स्थापना हेतु झुकाव कोण परिकलन, २०१६ विद्युतीय, विद्युत और ऊर्जा प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईपीईएस), मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, भारत। दिसम्बर १४-१६, २०१६.
- घोष, ए. के. रे, एमडी. नुरूज्ज्मन, अरेखीय प्रणालियों और गतिशीलताओं (सीएनएसडी) पर सम्मेलन की कार्यवाहियों में, ''कपल्ड आस्सिलेटर के रूप में स्मार्ट ग्रिड स्मार्ट ग्रिड की मॉडलिंग और स्थिरता'', दिसम्बर १६-१८, २०१६।

२०१६-१७ में सामुदायिक विकास में भागीदारी

संकाय सदस्यों के साथ छात्र, स्वच्छ भारत अभियान में शामिल थे। संकाय सदस्यों ने डीएसटी-इंस्पायर विज्ञान शिविर समेत खुले दिन के कार्यक्रमों में स्कूल के छात्रों से भी बातचीत की।

इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभियांत्रिकी

विभाग में संकाय सदस्य :

- डॉ संजय कुमार जना (विभागाध्ययक्ष, प्रभारी)
- श्री सुरजीत कुंडू
- श्री हेमंत कथानिया
- श्रीमती रेशमी धारा
- डॉ. वकार अहमद
- श्री बप्पादित्य मंडल

विभाग में सुविधाएं :

- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई अभिकल्पना प्रयोगशाला
- आरएफ, माइक्रोवेव और एंटीना प्रयोगशाला
- डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला
- लॉजिक अभिकल्पना प्रयोगशाला
- संचार प्रयोगशाला

विभाग में चल रही परियोजनाएँ/योजनाएँ

- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई अभिकल्पना के लिए एसएमडीपी सी.एसडी
- ''विश्वेश्वरैया'' पीएचडी योजना

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- इलेक्टॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- ''माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई डिज़ाइन'' में प्रौद्योगिकी परास्नातक
- माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई अभिकल्पना, एंटीना और वाक् प्रसंस्करण में पीएचडी कार्यक्रम

प्राप्त की गई प्रमुख उपलब्धियाँ

- प्रौद्योगिकी परास्नातक पाठ्यक्रम आरंभ (दूसरा बैच चल रहा है)
- विभिन्न क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम आरंभ
- विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षु प्रशिक्षण (अधिकतम अवधि दो महीने)

आयोजित विशेष व्याख्यान/संगोष्ठी कार्यशाला

- प्रो. गिरीश कुमार द्वारा विशेष व्याख्यान (आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे)
- डॉ. गौरव त्रिवेदी द्वारा विशेष व्याख्यान (सहायक आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी)
- डॉ. हर्ष चतुर्वेदी द्वारा विशेष व्याख्यान (सहायक आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी)
- ''मिश्रित संकेत और आरएफ सर्किट डिजाइन'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, ३० सितंबर से २ अक्टूबर २०१६

यांत्रिक अभियांत्रिकी

विभाग में संकाय सदस्य :

- डॉ शंभूनाथ बरमन (विभागाध्यक्ष)
- डॉ. रंजन बसक
- डॉ. प्रणव कुमार कुंडू
- डॉ. देबजीत साहा

- डॉ. अनिन्द्य मालास

प्रयोगशालाएँ

- यांत्रिकी कार्यशाला
- द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला
- स्ट्रेंथ ऑफ मैटेरियल्स प्रयोगशाला
- उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

अन्य विभाग/संस्थानों के साथ सहयोग

विभाग ने विभिन्न सेमेस्टर की प्रयोगशाला कक्षाओं के लिए निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर।
- भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर।

विभाग द्वारा प्रस्तानवित कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएच.डी.

आमंत्रित चर्चा : २०.०२.१७ से २४.०२.१७ तक यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, भारत में निर्धारित ''माइक्रो सिस्टम टेक्नोलॉजीज में हुई प्रगतियों'' विषय पर टीईक्यूआईपी-२ प्रायोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम में डॉ. प्रणब कुमार कुंडू द्वारा।

प्रकाशन

- एस. सरकार और पी.के. कुंडू, ''अभियांत्रिकी मैकेनिक्स'', मैट्रिक्स एजुकेयर प्रा.लि., २३१/ए, सीआर एवेन्यू, गिरीश पार्क मेट्रो स्टेशन के सामने, ७००००६, आईएसबीएन ९७८-९३-८०२२१-०१-४ (पृष्ठ ६४०), १४वां संशोधित संस्करण, जुलाई, २०१६
- एस. सरकार और पी. के. कुंडू, ''इंजीनियरिंग थर्मेडायमेमिक्स एंड फ्लुइड मैकेनिक्स'', मैट्रिक्स एजुकेयर प्रा. लि., २३१/ए, सी.आर. एवेन्यू गिरीश पार्क मेट्रो स्टेशन के सामने, ७००००६, आईएसबीएन ९७८-९३-८०२२१-२१-२ (पृष्ठ ६७०), १४वां संशोधित संस्करण, फरवरी २०१७।
- एस. सरकार और पी. के. कुंडू, ''ताप ऊर्जा अभियांत्रिकी', मैट्रिक्स एजुकेयर प्रा. लि., २३१/ए, सी.आर. एवेन्यू गिरीश पार्क मेट्रो स्टेशन के सामने, ७००००६, आईएसबीएन ९७८-९३-८०२२१-४५-८ (पृष्ठ ४५६), संशोधित संस्करण, फरवरी २०१७।
- पी. के. मण्डल, एच. के. गायकवाड, पी. के. कुंडू, एस. के. वोंगवाइज, ''वैरिएबल विस्कोसिटी क्यूएट-पोइज़ुइल प्रवाह के एन्ट्रापी उत्पादन विश्लेषण पर तापीय असममितता का प्रभाव'', यांत्रिकी अभियन्ता संस्थान की कार्यवाही, प्रक्रिया यांत्रिक अभियांत्रिकी ई-जर्नल २०१७, खण्ड २३१, अंक ५, पृष्ठ १०११-१०२४, https://doi-org/१०-११७७/०९५४४०८९१६६८८२३४
- एम. मुखोपाध्याय और पीके कुंडू, ''एनडीः याग लेजर का उपयोग कर एल्यूमीनियम ऑक्साइड ग्रिंडिंग व्हील की लेजर असिस्टेड कंडीशनिंगः एक समीक्षा'', उन्नत कार्यात्मक सामग्री प्रसंस्करण और विनिर्माण पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही; पृष्ठ ६३-६६; २-३ फ़रवरी, २०१७.
- डी. साहा, पी. बिट और एस. मजूमदार, ''वर्गाकार वाहिनी में मुख्य प्रवाह के आंशिक या बिना प्रवेश के द्विसपक्षीय द्रव्यलमान अंतःक्षेपण पर विचार करते हुए लैमिनर तीन-आयामी द्रव प्रवाह और ऊष्मा अंतरण विश्लेषण'', द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति पर छठा अंतर्राष्ट्रीय और ४३वां राष्ट्रीय सम्मेलन, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, १५-१७ दिसम्बर, २०१६।
- ए.के. राउत, एस. मजूमदार, डी. साहा और ए. मंडल, ''छिद्रित दीवार से अंतःक्षेपण के साथ वर्गाकार वाहिनी में लैमिनर प्रवाह का अध्ययन'', द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति पर छठा अंतर्राष्ट्रीय और ४३वां राष्ट्रीय सम्मेलन, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, १५-१७ दिसम्बर, २०१६।
- ए. बनर्जी और एस. बर्मन, ''एचपीसी में ओपनफोम के साथ भारी तेल की ढुलाई के लिए बहु चरण बंद पाइपलाइन अनुकरण दृष्टिकोण'', २७ जून से १ जुलाई, २०१६ को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे में संगणना यांत्रिकी और अनुकरण पर छठी अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यवाही।
- ए. बनर्जी और एस. बर्मन, ''एचपीसी में ओपनफोम के साथ अतिरिक्त भारी कच्चे तेल के परिवहन के लिए बहु चरण प्रवाह वेग सिमुलेशन पाइपलाइन अनुकरण'', द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति पर छठे अंतर्राष्ट्रीय और ४३वां राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, दिसम्बर १५-१७, २०१६, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, उ.प्र., भारत, शोधपत्र सं. -२८०।

रसायन शास्त्र विभाग

विभाग संकाय सदस्य

- डॉ. तारकनाथ कुंडू (विभागाध्यथक्ष प्रभारी)
- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास
- डॉ. सुमित साहा

विभाग में सुविधाएं

विभाग निम्नलिखित विश्लेषणात्मक/प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है-

- एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- लो टेम्प्रेचर कूलिंग बाथ
- वर्णमापी
- आटोक्लेव
- बीओडी इनक्यूबेटर
- पीएच मीटर

विभाग में चल रही परियोजनाएँ/योजनाएँ

- डॉ. सुमित साहा- कार्बोहाइड्रेट का उपयोग काइरल टेम्पलेट के रूप में करते हुए जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों एवं संबंधित यौगिकों का असममित संश्लेषण (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)
- डॉ. तारकनाथ कुंडू- कार्बोहाइड्रेट व्युत्पन्न विनायलसायक्लोप्रोपेन (डीएसटी) की धातु उत्प्रेरित औपचारिक डायस्ट्रेटो एवं ऐनेशियो चयनात्मक अभिक्रिया (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)
- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास- सी-एच सक्रियण और जल ऑक्सीकरण में धातु-ऑक्सीजन मध्यवर्तियों की अभिक्रियाशीलता ट्यूनिंग (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तरपोषित)
- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास-पृथ्वी तत्वो से प्रचुर संक्रमण धातुओं पर आधारित आणविक जल ऑक्सीकरण उत्प्रेरक (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तुपोषित)

प्राप्त की गई प्रमुख उपलब्धियां :

संस्थान के सीनेट ने अकादमिक वर्ष २०१७-१८ से शुरू होने वाले, रसायन शास्त्र में दो वर्ष के एम.एससी. पाठ्यक्रम के प्रस्ताव को अनुमोदित किया।

संस्थान के बाहर की गतिविधियाँ

श्री सच्चिदुल बिस्वास और डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास, ने विज्ञान के विकास के लिए भारतीय एसोसिएशन द्वारा होटल स्टेडैल, साल्ट लेक स्टेडियम, कोलकाता में आयोजित पाँचवी उन्नत जैविक अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर संगोष्ठी (एसएबीआईसी) में पोस्टर प्रस्तुत किया।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

विभाग में संकाय सदस्य :

- डॉ. धनंजय त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष, प्रभारी)
- डॉ. देवी प्रसाद बाल

प्रकाशन

- देबी प्रसाद बाल और बद्री नारायण रथ, (२०१६) "क्या सार्वजनिक ऋण भारत के लिए बोझ है?", इकोनॉमिक पेपर्स-अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र एवं नीतिकी पत्रिका , खंड ३५ (२), पृष्ठ १८४-२०१, विली द्वारा प्रकाशित।

- देवी प्रसाद बाल, देवी प्रसाद दश और बिबुदुट्टा सुबासिस, (२०१६) ''अर्थशास्त्र विकास के लिए पूंजी निर्माण के प्रभावः भारत से साक्ष्य'', वैश्विक व्यापार समीक्षा, खंड. १७ (६), पृष्ठ १-१३, सेज प्रकाशन।
- देवी प्रसाद दाश, देवी प्रसाद बाल और मनोरंजन साहू, (२०१६) ''ब्रिक अर्थव्यवस्थाओं में रक्षा व्यय और आर्थिक विकास के बीच सम्बन्ध'', सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, खंड ग्ग्, पृष्ठ ८६-१०२, ईसीटीएपी द्वारा प्रकाशित।
- डॉ. धनंजय त्रिपाठी ने इंटरडिसिप्लिनरी डॉट नेट द्वारा मेंसफील्ड कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड और लंदन में २-४ जून, २०१६ के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिहास सम्मेलन में ''आरके नारायण की उपनिवेश विरोधी संवाद में अवचेतन रणनीति के रूप में हास्य'' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. देबी प्रसाद बाल ने भारतीय अर्थमिति समाज (टीआईईएस), राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के वार्षिक सम्मेलन में 'हिल्बर्ट-हुआंग परिवर्तन दृष्टिकोण के आधार पर कच्चे तेल की कीमत का विश्लेषण' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गणित विभाग

विभाग के संकाय सदस्य :

- डॉक्टर रवि श्रीवास्तव (संकायाध्यक्ष)
- डॉक्टर ओम प्रकाश
- डॉक्टर सयंतन मंडल

विभाग के द्वारा प्रस्तुत प्रोग्राम :

- पीएच. डी.

भौतिकी विभाग

विभाग के संकाय सदस्य

- डॉक्टर मोहम्मद नुरुज्जमन (विभागाध्यक्ष, प्रभारी)
- डॉक्टर अनिंद्य बिस्वास

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

- विभाग पीएच.डी. की डिग्री प्रस्तुत करता है।
- भौतिकी विभाग अपने स्थापना वर्ष २०१० से ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम का अंग रहा है। विभाग के संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध तथा शिक्षण में संलग्न रहे हैं। वर्तमान में यह विभाग बी.टेक. की विभिन्न अभियांत्रिकी शाखाओं को भौतिकी, विद्युत् चुम्बकीय क्षेत्र सिद्धांत, सॉलिड स्टेट डिवाइस, तथा आधारभूत विद्युतीय विज्ञान संबंधी पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करता है। संकाय सदस्य वर्तमान में अरेखीय प्रणाली पर शोर का प्रभाव, कम तापमान वाली भौतिकी, अरेखीय गतिकी, क्वांटम सूचना तथा मेनी बह्डी भौतिकी के साथ इसके अंतरफलक, समय-श्रृंखला विश्लेषण जैसे विस्तृत क्षेत्रों में शोध कार्यों में संलग्न हैं।

प्रयोगशालाएं

- भौतिकी प्रयोगशाला
  हॉल इफ़ेक्ट, क्विंक्स ट्यूब, न्यूटन्स रिंग इत्यादि।
- पीएच.डी. प्रयोगशाला

अन्य विभागों/संस्थानों के साथ सहकार्य

- इस विभाग का साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान, कोलकाता, जादवपुर विश्वविद्यालय, प्रेज़िडेंसी विश्वविद्यालय तथा हरिश्चंद्र शोध संस्थान इलाहाबाद के साथ सक्रिय रूप से शोध सहकार्यों में संबंध है। वर्तमान में, समय-पूर्व भूकंप संसूचन हेतु एक संभावित मार्ग, रेडान गैस निगरानी प्रणाली को जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से एनआईटी सिक्किम में स्थापित किया गया है।
- जुलाई २०१६ तथा दिसंबर २०१६ के बीच डॉक्टर अनिंद्य बिस्वास ने सहयोगपूर्ण शोध के लिए हरिश्चंद्र शोध संस्थान, अलाहाबाद में क्वांटम सूचना एवं अभिकलन समूह का दौरा किया।

प्रकाशन

- "एस. चौधरी, ए. देब, एम. नुरुज्जमन, सी. बर्मन" हिल्बर्ट-हुआंग ट्रांसफॉर्म का प्रयोग कर मृदा के भूकंप-पूर्व विसंगति की पहचान रेडान-२२२ संकेत, प्राकृतिक संकट ८७ (३), १५८७-१६०६.
- डी.पी. बाल, एम. नुरुज्जमन "भारत में तेल की कीमतों एवं स्टॉक रिटर्न्स के बीच अरेखीय निर्भरता का अध्ययन" अरेखीय प्रणालियों एवं गतिकी संबंधित सम्मलेन IISER कोलकाता, १६, १८।
- ए. घोष, एम. नुरुज्जमन, ए. के. रे "युग्मित दोलक के रूप में किसी स्मार्ट ग्रिड का प्रतिरूपण तथा स्थायित्व", अरेखीय प्रणालियों तथा डाइनामिक्स पर सम्मलेन IISER कोलकाता १६, १८।

विविध कार्यक्रम तथा समारोह

खेल-कूद : शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद, तथा सांस्कृतिक गतिविधियाँ इस संस्थानं के अन्य आयाम हैं। वहाँ विद्यार्थी स्वयं को स्वस्थ एवं ताज़ा रखने के लिए इसमें सम्मिलित हो सकते हैं। संस्थान में बहुत से खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों की व्यवस्था है।

जहाँ तक नियमित खेल-कूद संबंधी गतिविधियों की बात है तो प्रत्येक छात्रावास में टेबल-टेनिस, कैरम बोर्ड, चेस बोर्ड इत्यादि की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त, कई सुव्यवस्थित खेल के मैदान हैं जहां छात्र फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, तथा क्रिकेट खेल सकते हैं। कैम्पस के भीतर एक सु-व्यवस्थित अभ्यांतरिक बैडमिन्टन कोर्ट भी है। सभी कोर्ट्स तथा खेल के मैदानों पर रात्रि में खेलने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

विद्यार्थी देश के विभिन्न भागों में स्थित कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के द्वारा आयोजित विभिन्न अंतर-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल प्रतियोगिता में भी भाग लेते हैं तथा प्रत्येक वर्ष अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इस वर्ष, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के विद्यार्थियों ने निम्नलिखित अंतर-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कार्यक्रमों में भागीदारी की।

- क्रिकेट (लड़के)- जनवरी २७-३०, २०१७ के बीच राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला में आयोजित

व्यायामशाला: लड़कों के लिए कैम्पस के भीतर ही सुसज्जित व्यायामशाला है जहां सभी आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। संस्थान की छात्राओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक पृथक व्यायामशाला की व्यवस्था भी है।

क्र. सं.	छात्रों के नाम	क्रमांक
१.	अनिल पाल	B140062CE
२.	सौरव सिंह राठौर	B140041ME
३.	प्रभात रंजन	B140076EE
४.	राजकुमार सिर्वी	B140096ME
५.	अजय कुमार	B140040CS
६.	विशाल प्रसाद शर्मा	M150003CS
७.	उदित कम्बोज	M150004CS
८.	सूचित कुमार गुप्ता	M150006CS
९.	कमल नाभ मिश्रा	B140057CS
१०.	सोनू आनंद	B160071CE
११.	शुभम कुमार	B150106CE
१२.	श्रीधर	B150097CE
१३.	एन.बी.वी.एस. राम मोहन	B150079ME
१४.	अंकुर कुमार	B150031CE
१५.	सुरेश मीना	B150140EC
१६.	संतोष घिमेरे	B150030CE

- बैडमिन्टन (लड़के)- मार्च २४-२६, २०१७ के दौरान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में आयोजित

क्र. सं.	छात्रों के नाम	क्रमांक
१.	शुभम कुमार	B140005CS
२.	केशव कुमार	B140010ME
३.	जाहिर हुसैन	B160055EE
४.	कृष्णा प्रसाद शर्मा	B150050CS

- बैडमिन्टन (लड़कियाँ)-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में मार्च २४-२६, २०१७ तक आयोजित

क्र. सं.	छात्रों के नाम	क्रमांक
१.	अरुणिमा समादार	B140016EC
२.	प्राची अग्निहोत्री	B150116BI
३.	सरिता कुमारी गुप्ता	B150043EC
४.	इंतसाम अंजुम	B160085EE

- खो-खो (लड़के)- मार्च १७-१९, २०१७ के दौरान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सुरथकल में आयोजित

क्र. सं.	छात्रों के नाम	क्रमांक
१.	निखिल रेड्डी सेरी	B140050ME
२.	विनय कुमार रेड्डी	B140086EE
३.	अकुला अरविन्द स्वामी	B140077EE
४.	तुलुगु गौतम	B140087EC
५.	यु. अखिल कुमार	B150060EE
६.	के. सैनाथ रेड्डी	B160120EE
७.	लोहित सूरीशेट्टी	B160014EC
८.	हेमंत कुमार कोटा	B160112EC
९.	सुमित कुमार	B160001EC
१०.	नितिन पाल	B160020ME
११.	के. साईं. लक्षमण	B160019CS
१२.	शाइक रियाज़	B140100CE

- वॉलीबॉल (लड़के)-मार्च १७-१९, २०१७ के दौरान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सुरथकल में आयोजित

क्र. सं.	छात्रों के नाम	क्रमांक
१.	सी.वी. भार्गव	B140049EC
२.	नन्द झा	B140007CS
३.	लक्ष्य भारद्वाज	B140008CS
४.	शभम कुमार	B140005CS
५.	गुगुलोथ श्रीकांत	B140090CS
६.	तरुण कुमार गुडेपू	B140097EC
७.	सीरा महंती राव	B160109ME
८.	रटन ठाकुर	B160030CE
९.	बिशाल गुप्ता	B140006CS
१०.	रबीन्द्र कुमार	B160056CS
११.	विशेष डाब	B150035EC

वार्षिक खेल समारोह : विद्यार्थियों को खेल-कूद संबंधी गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रति वर्ष संस्थान के वार्षिक खेल-कूद समारोह का आयोजन किया जाता है। सभी अभ्यांतरिक और बाह्य खेलों के अलावा बहुत सी खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी प्रति वर्ष ''एक्सप्लोर कप'' तथा ''मॉनसून कप'' क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन करते हैं जो संस्थान की खेल-कूद गतिविधियों का ही अंग हैं। इस वर्ष के दौरान, संस्थान के वार्षिक खेल समारोह का आयोजन मार्च २४-२५, २०१७ के दौरान किया गया। अर्जुन पुरस्कार विजेता गोरखा मुक्केबाज श्री जस लाल प्रधान उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जैसा कि नीचे वर्णित है, कई अभ्यांतरिक एवं बाह्य गतिविधियों का आयोजन किया गया-

लड़कों के लिए :

क्रिकेट (एक्सप्लोर कप), फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिन्टन (एकल तथा डबल), टेबल टेनिस (एकल तथा डबल), एथलेटिक्स, शतरंज

लड़कियों के लिए :

बैडमिन्टन (एकल तथा युगल), टेबल टेनिस (एकल तथा डबल), एथलेटिक्स, मिटटी के बर्तन फोड़ना, म्यूज़िकल चेयर्स, शतरंज

कर्मचारियों तथा शिक्षकों के लिए :

एथेलेटिक्स, विकेट तोड़ना, मिट्टी के बर्तन फोड़ना (लड़कियां, शिक्षिकाएं तथा महिला कर्मचारी), म्यूज़िकल चेयर्स (लड़कियां, शिक्षिकाएं तथा महिला कर्मचारी), रस्सा-कसी

(पुरुष शिक्षक तथा कर्मचारी)

एथेलेटिक्स में निम्नलिखित खेल-गतिविधियों का आयोजन किया गया

दौड़ : १००मीटर (लड़के), १००मीटर (लड़कियां), १००मीटर (कर्मचारी तथा शिक्षक), ४००मीटर (लड़के), ४००मीटर (लड़कियां), ४ गुणा १०० मीटर रिले (लड़के), ४ गुण १०० मीटर रिले (लड़कियां)

चक्का फेंक : (लड़के), चक्का फेंक (लड़कियां)

लम्बी कूद : (लड़के), लम्बी कूद (लड़कियां)

गोला फेंक (लड़के), गोला फेंक (लड़कियां)

उद्गम-१६

उद्गम २०१६ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम का वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव अप्रैल २०१६ के महीने में आयोजित किया गया था। उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। सोनम शेरिंग लेप्चा, दीपक गुप्ता, हिल्दामीत लेप्चा जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रसिद्ध कलाकारों ने यहाँ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई।

सोनम शेरिंग लेप्चा : एक भारतीय लोक संगीतकार, रचियता और गीतकार हैं। अखिल भारतीय रेडियो पर अपनी आवाज देने वाले लेप्चा लोगों में से वे पहले व्यक्ति हैं और उन्हें भारतीय राज्य सिक्किम की स्वदेशी संस्कृतियों में से एक लेप्चा संस्कृति के पुनः प्रचलन का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने ४०० से अधिक लोक गीत, १०२ लोक नृत्य और

१० नृत्य नाटकों का श्रेय प्राप्त है।

श्री सोनाम शेरिंग लेप्चा का जन्म ३ जनवरी,१९२८ को पश्चिम बंगाल के कालिंपोंग की बोंग बस्ती के निम्गे तम्संग के घर हुआ था। उन्होंने एक सैनिक के रूप में अपना कामकाज प्रारम्भ किया था। बाद में, उन्होंने सिक्किम में चारों ओर घूमते हुए पारम्परिक वाद्य यंत्रों का संग्रह और गीतों का संकलन किया और अखिल भारतीय रेडियो पर प्रदर्शन करने वाले पहले लेप्चा बन गए। वे कालिंपोंग में एक संग्रहालय के संस्थापक हैं, जिसमें कई प्राचीन और दुर्लभ शिल्पकृतियाँ हैं, जिनमें स्वदेशी संगीत उपकरण, प्राचीन हथियार और पांडुलिपियाँ सम्मलित हैं। उन्हें १९९५ में संगीत नाटक अकादमी का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। भारत सरकार ने उन्हें लोक संगीत में योगदान के लिए २००७ में चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया। २०११ में रबिन्द्रनाथ टैगोर के १५०वें जन्मदिवस समारोह के सम्बन्ध में, संगीत नाटक अकादेमी ने देश के १०० प्रतिष्ठत कलाकारों का चयन किया और टैगोर अकादमी रत्न पुरस्कार के लिए ५० की सूची में श्री सोनम शेरिंग लेप्चा को सम्मलित किया गया।

दीपक गुप्ता : १५ मार्च, १९७२ को फरीदाबाद, में जन्मे कवि दीपक गुप्ता भारत के जाने-माने हास्य कलाकारों के बीच हास्य सम्राट हैं। उन्हें हास्य व्यंग्य कवि, हास्य कवि और व्यंग्य गजलकार, एंकर के रूप में जाना जाता है। वह सब टीवी पर वर्ष २००४ में इसके शो ''वाह क्या बात है'' और एन.डी.टी.वी पर भी वर्ष २००४ में ''अर्ज किया है'' शो में आने वाले पहले कवि रहे हैं। उन्होंने जनमत टी.वी पर २००५-२००५ में शो ''खबरदार खबरें'' की मेजबानी की। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर प्रदर्शन किया है और कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। उन्होंने देश भर के सरकारी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों, बैंकों, क्लबों, व्यवसायिक समूहों, आरडब्ल्यूए, एनजीओ, साहित्यिक संघों आदि सहित मेट्रोपोलिटन शहरों के हजारों कवि सम्मेलनों में भाग लिया है और विदेशों में भी प्रदर्शन किए हैं।

पद्मश्री पुरस्कार के लिए मनोनीत होने के पश्चात प्रकाश में आने से पहले हिल्दामित लेप्चा, केवल एक कलाकार थीं जो गीत गाना और लोकसंगीत बजाना पसंद करती थीं। वह विगत ३३ वर्षों से सिक्किम सरकार के सांस्कृतिक और विरासत विभाग में एक प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर रही है। ५७ वर्षीय हिल्दामित का जन्म कालिंपोंग में १९५६ में हुआ था। उन्होंने अपने प्रारम्भिक किशोर जीवन में ही गाना और लेप्चा वाद्य यंत्रों को बजाना प्रारम्भ कर दिया था। उन्होंने नृत्य और संगीत को लेप्चा संगीत के प्रसिद्ध व्यक्ति उनके पति पद्मश्री सोनम शेरिंग लेप्चा से विरासत में प्राप्त हुआ है। वह उनकी प्रमुख प्रेरणा रहे हैं।

अभियंत्रण–16

सिक्किम के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की अकादेमिक और रचनात्मक भावना के अनुसार, प्रत्येक वर्ष भावी अभियंताओं के लिए, विभिन्न अकादेमिक संस्थानों से अपने नवाचारों के प्रदर्शन के लिए छात्र प्रतिस्पर्धी भावना से वार्षिक तकनीकी उत्सव अभियंत्रण का आयोजन करते हैं। इस वर्ष के दौरान इस उत्सव का तीसरा अध्याय १५ से १७ सितम्बर, २०१६ तक आयोजित किया गया था। डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम की विरासत को समर्पित यह तीन दिन का कार्यक्रम ३०० से अधिक पंजीकरण आकर्षित करने में सफल रहा, जिसमें सभी कार्यक्रम सम्मलित थे। उत्सव में कुल २६ कार्यक्रम हुए जिसमें व्यापक तकनीकी सत्र, टेक-प्रदर्शनियाँ और भूकम्पीय क्षेत्रों के भवनों की अभिकल्पना, आन्तरिक दहन इंजन, इंटरनेट सम्बन्धी चीजें, एथिकल हैकिंग के क्षेत्र में विभिन्न कार्यशालों का आयोजन किया गया।

प्रतिष्ठित अकादमिक हस्तियों ने अपने ज्ञान को साझा किया और प्रतिभागी भावी अभियंताओं को समाज के लिए विज्ञान और यांत्रिकी संबंधी प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने हेतु प्रोत्साहित किया। अभियंत्रण २।१६ को श्री रवि वेंकटेशन, डॉ. सुजाता रामदुरई (बीजगणित संख्या विचारक, टीआईएफआर में गणित की प्रफेसर), डॉ. आशीष दत्ता (बायोकेमिस्ट, १९९९ के शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता) और डॉ. अनिरबन बसु (अध्यक्ष, भारतीय कंप्यूटर सोसाइटी) जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों का सम्मान करने पर गर्व है।

प्रशिक्षण और नियुक्तियां

डॉ. धनंजय त्रिपाठी एफआईसी (टी एवं पी) इसके तकनीकी प्रमुख हैं और टी एंवं पी सेल की देखभाल करते हैं। नियुक्तियों को सफल बनाने के लिए संस्थान के छात्रों का एक समूह एफ़आईसी के साथ कार्य करता है। पहले छात्रों को कार्यालय प्रबन्धन, टीम के कार्य में व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहायता करती है। टी एंड पी भी छात्रों के प्रशिक्षुता का बन्दोबस्त करता है। टी एंड पी सेल छात्रों के व्यवहारिक कौशल को सुधारने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं, प्रक्षिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

२०१२-२०१६ बैच (प्रौद्योगिक स्नातक, सी.एस.ई., ई.सी.ई., ई.ई.ई.)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	चयनित छात्रों की कुल संख्या
१.	पोलरिस	३
२.	म्यू सिगमा	२
३.	एल एण्ड टी इंफाटेक	१
४.	आईबीएम	६
५.	टेक महिन्द्रा	६
६.	इनाटेक	२
७.	इंटेल	१
८.	विप्रो	३
६.	एल एण्ड टी कंसट्रक्शंस	३
१०.	योडली	१
११.	इंफोसिस	६
१२.	रॉबॉर्ट बोश	१
१३.	विरतुसा	१४
१४.	एमडॉक्स	३
१५.	हुवेई	४
१६.	पॉवर ग्रिड	३
१७.	माइक्रोसॉफ्ट	१

उच्चतम वार्षिक सीटीसी (रु. में) = ११,४३,०००/- (पावर ग्रिड)

२०१३-२०१७ बैच (बी. टेक सीएसई, ईसीई, ईईई, सीई)

क्र. सं.	कंपनी का नाम	चयनित छात्रों की कुल संख्या
१.	सीजीआई	२
२.	रॉबॉर्ट बोश	३
३.	इनाटेक	४
४.	इंटेलेक्ट डिजाइन	२
५.	टेक महिन्द्रा	८
६.	एल एण्ड टी कंसट्रक्शंस	४
७.	इंटेला	४
८.	कैपजेमिनी	४
६.	कीर्ति टेक्नालॉजीज	१
१०.	आईबीएम	१
११.	सैपिएंट	१
१२.	चेकट्रोनी	३
१३.	विरतुसा	१
१४.	डूडल ब्ल्यू	२
१५.	पिरामिड मैरिन एण्ड एविएशन	१४
१६.	पिरामिड मैरिन एण्ड एविएशन-सिविल	५
१७.	पॉवर ग्रिड	५

उच्चतम वार्षिक सीटीसी (भारतीय रुपयों में) ११,४३,०००/- (पावर ग्रिड)

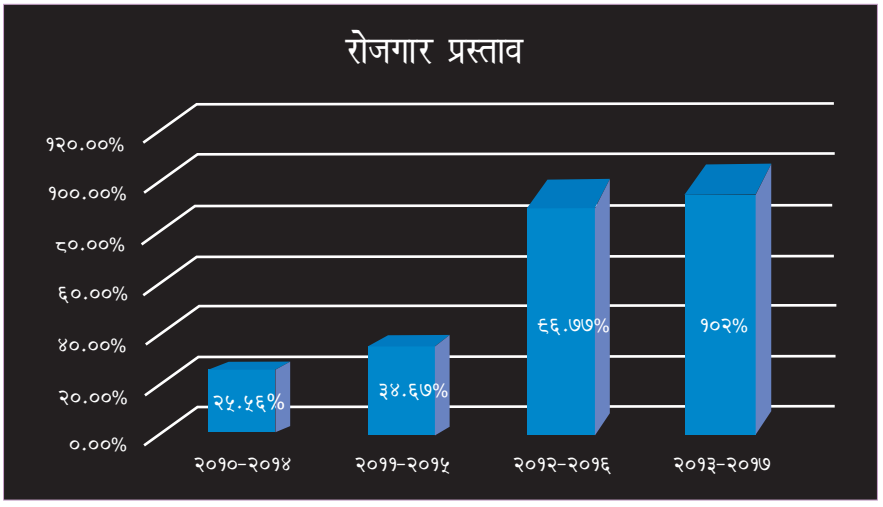

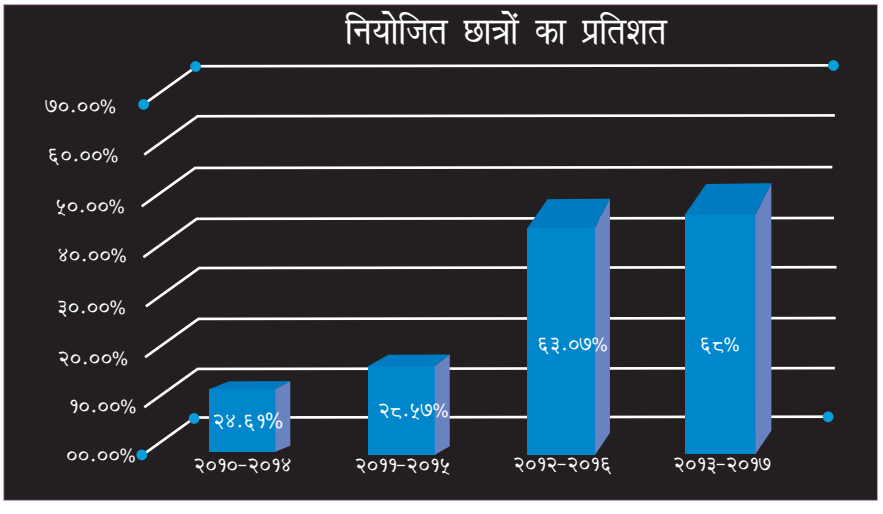

प्रतिवेदन दल का संघटन

प्रतिवेदन की तैयारी एवं संकलनकर्ताः

- डॉ. धनंजय त्रिपाठी
  (प्रभारी संकाय, प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणाली)
  संकाय, मानविकी एवं सामजिक विज्ञान
  राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
- श्री. बी. बालाजी नायक
  (संयोजक-प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणाली)
  संकाय, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
  राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम